www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 347 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
16 मार्च 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:13
सूर्यास्त: 06:16
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 19°00

पेज 07

विशेष समाचार गैस एजेंसियों द्वारा घरेलू गैस... >>पेज 04 | खाना नहीं दिया तो सौतेली मां... >>पेज 06 | आलिया भट्ट का 33वां जन्मदिन...

तमिलनाडु में 23 अप्रैल, असम-केरल-पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग, नतीजे 4 मई को

6 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पांच राज्यों-यूटी में 17.4 करोड़ मतदाता हैं। यहां 824 सीटों पर चुनाव होने हैं। इन राज्यों में आज से ही आचार संहिता लागू हो गई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया। बंगाल में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में सिंगल फेज में चुनाव होंगे। तमिलनाडु में 23 अप्रैल, केरल, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा। पांचों राज्यों का रिजल्ट 4 मई को आएगा। 2021 में इन सभी पांच राज्यों के चुनाव का ऐलान 26 फरवरी को किया गया था। पिछली बार बंगाल में 8 चरणों में चुनाव हुए थे। असम में 3 और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी। पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई-जून में खत्म हो रहा है। फिलहाल तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई में DMK की सरकार है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आई। पार्टी ने कांग्रेस, वीसीके और वामपंथी दल के साथ गठबंधन किया है। बीजेपी ने कई चुनावों में AIADMK जैसे दलों के साथ गठबंधन जरूर किया, लेकिन राज्य में उसकी अपनी सरकार नहीं रही। केरल- दक्षिण का इकलौता राज्य जहां लेफ्ट सत्ता में: देश का इकलौता राज्य है, जहां आज भी लेफ्ट सत्ता में है। यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा (LDF) ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुडुचेरी- सबसे कम सीटों वाली विधानसभा

2021 में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद AINRC-BJP गठबंधन ने सत्ता हासिल की और एन. रंगास्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब BJP सत्ता में सीधे तौर पर भागीदार बनी। इस बार कांग्रेस DMK के साथ गठबंधन में वापसी की कोशिश कर रही है और सरकार गिरने के मुद्दे को एंटी-इनकम्बेंसी में बदलना चाहती है।

पश्चिम बंगाल- 3 बार से ममता बनर्जी ही मुख्यमंत्री

14 साल से CM ममता के सामने BJP मुख्य चुनौती है। 2026 के चुनाव में टीएमसी जीती तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। वे ऐसा करने वाली देश पहली महिला होंगी। जयललिता के नाम 5 बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। हालांकि, वह 1991 से 2016 तक अलग-अलग कार्यकाल (लगातार नहीं) में

4 राज्यों में एसआईआर, तमिलनाडु में सबसे ज्यादा नाम कटे

जिन पांच राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें SIR के बाद तमिलनाडु से सबसे ज्यादा वोटर्स के नाम कटे हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 को SIR प्रक्रिया शुरू होने के दौरान राज्य में कुल 6,41,14,587 वोटर थे। करीब चार महीने चली SIR में 74,07,207 लोगों के नाम हटाए गए हैं। राज्य में अब 5,67,07,380 मतदाता पंजीकृत हैं। वहीं पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर है जहां करीब 58 लाख लोगों के नाम कटे हैं। फिर केरल में 8 लाख, असम में 2 लाख और पुडुचेरी में सबसे कम 77 हजार लोगों के नाम SIR प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से हटाए गए। असम में स्पेशल रिवीजन (SR) कराया गया था।

चुनाव आयोग ने असम और केरल के अनोखे मतदान केंद्र के बारे में बताया

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि असम और केरल के अनोखे मतदान केंद्र भी हैं।

असम: मतदान दल माजुली से 50–60 किलोमीटर की कठिन यात्रा नाव और सड़क मार्ग से तय करते हैं, ब्रह्मपुत्र नदी पार करते हैं, और अंत में ट्रैक्टर से दूरस्थ धनेखाना मतदान केंद्र पर 248 मतदाताओं को लेकर पहुंचते हैं।

केरल: इडुक्की जिले के एक आदिवासी क्षेत्र में स्थित बूथ संख्या 34 एडामलकुड्डी, जिसमें कुल 693 मतदाता हैं, और दुर्गम सड़कों से होकर गुजरते हैं, जिसके बाद उन्हें 8 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

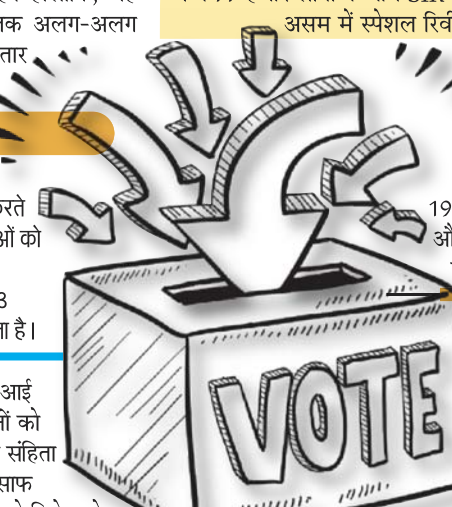

तमिलनाडु- भाजपा-कांग्रेस 60 साल से यहां सत्ता में नहीं आ सकीं

आजादी के बाद लगभग दो दशक तक यहां कांग्रेस की सरकार रही। 1967 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई और इसके साथ ही राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव आया।

महाभियोग लाने के सवाल पर बोले सीईसी- इस चर्चा में शामिल नहीं होना चाहते

TMC संसद में चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आई है। इस पर चुनाव आयुक्त ने कहा कि राजनीतिक नेताओं, दलों के बयानों को लेकर हम किसी भी बातचीत में शामिल नहीं होना चाहते। आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले कुछ सरकारों के फैसलों को लेकर मैं पहले ही साफ कर चुका हूं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में, राज्य और केंद्र सरकारें अपने विवेक से कोई भी नीतिगत और दूसरे निर्णय ले सकती हैं, जो उन्हें उचित लगता हो। लेकिन एक बार जब आचार संहिता लागू हो जाती है।

असम- कांग्रेस ने किया 8 पार्टियों से अलायंस

राज्य में 10 साल से भाजपा की सरकार है। पार्टी तीसरे चुनाव की तैयारियों में जुटी है। पीएम मोदी 6 महीने में 3 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। यहां पार्टी ने 126 सीटों में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है। असम में बांग्लादेश, घुसपैठियों/सीमा सुरक्षा, असमिया पहचान जैसे मुद्दे हैं। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है। इसमें वामपंथी

विधानसभा चुनाव 2026

पश्चिम बंगाल - चुनाव शेड्यूल

कुल सीटें- 294 | बहुमत- 148

फेज	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग	रिजल्ट
फेज 1 | 152 सीटें	30 मार्च से 6 अप्रैल	7 अप्रैल	9 अप्रैल	23 अप्रैल	4 मई
फेज 2 | 142 सीटें	2 अप्रैल से 9 अप्रैल	10 अप्रैल	13 अप्रैल	29 अप्रैल	4 मई

यूएई टर्मिनल पर भारतीय जहाज में तेल भरते वक्त हमला

भारत सरकार बोली- स्टाफ सुरक्षित, शिप भी रवाना

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका–इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस वजह से जहाजों को खाड़ी देशों से ऑयल लाने में दिक्कत हो रही है। भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक शनिवार को UAE के 'फुजैराह ऑयल टर्मिनल' पर हमला हुआ था।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरान बोला- सुप्रीम लीडर मुजतबा पूरी तरह ठीक

ईरान ने कहा है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं लगी है। इससे पहले ब्रिटिश मीडिया द सन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था।

शिर्डी में साईं ट्रस्ट 200 किलो गैस रोज बचा रहा

सोलर सिस्टम से रोज बन रहा 40 हजार श्रद्धालुओं का खाना

तमसा संकेत, एजेंसी

शिर्डी। ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति पर दबाव बढ़ने की आशंका है। ऐसे समय में शिर्डी स्थित श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट का सोलर कुकिंग सिस्टम एक मिसाल बन गया है। सौर ऊर्जा से चलने वाले इस सिस्टम से रोज हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन पकाया जा रहा है।

इस सोलर सिस्टम से हर दिन करीब 2,000 किलो खाना बनाया जाता है, जो लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त होता है। इससे रोजाना करीब 200 किलो गैस की बचत भी हो रही है। इस अनोखी पहल को देखते हुए मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी ने भी इस प्रोजेक्ट को देश के

एक यूनिक मॉडल के रूप में सम्मानित किया है। शिर्डी में रोज औसतन 75 से 80 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। साईं संस्थान के प्रसादालय में श्रद्धालुओं को मुफ्त भोजन दिया जाता है और लगभग 40 हजार लोग हर दिन इसका लाभ लेते हैं। पहले इतनी बड़ी मात्रा में खाना बनाने के लिए करीब 1,700 किलो गैस खर्च होती थी, जिससे संस्थान पर काफी आर्थिक बोझ पड़ता था।

फास्ट न्यूज

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट हुआ सख्त

नई दिल्ली। नोएडा की लंबे समय से अटकी स्पोर्ट्स सिटी परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने नोएडा प्राधिकरण को अंतिम मौका देते हुए कहा है कि वह पहले दिए गए आदेशों का पालन करे। कोर्ट ने साफ किया कि परियोजना से जुड़े मामलों में अब और देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

समंदर का पानी पी सकेंगे, लक्षद्वीप में बन रहा प्लांट

कवरत्ती। चारों ओर समुद्र से घिरे द्वीपों की दो सबसे बड़ी चुनौती होती हैं– पीने का मीठा पानी और सस्ती ऊर्जा। लक्षद्वीप में इन दोनों का समाधान समुद्र ही देने वाला है। राजधानी कवरत्ती में ऐसा प्लांट तैयार हो रहा है जो समुद्र के तापमान के अंतर से बिजली पैदा करेगा और उसी प्रक्रिया में समुद्री पानी को पीने के पानी में बदलेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) ने ऐसी क्रांतिकारी तकनीक पर काम शुरू किया है, जो इस साल के अंत तक दुनिया के लिए मिसाल बन जाएगी। यह दुनिया का पहला ऐसा हाइब्रिड प्लांट होगा जो समंदर की लहरों से शुद्ध पानी और चौबीसों घंटे बिजली भी पैदा करेगा।

केंद्र के गलत फैसलों के कारण एलपीजी की भारी कमी'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने रविवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनकी गलत नीतियों के कारण देश में एलपीजी सिलिंडरों की भारी कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास न तो कोई स्पष्ट योजना थी और न ही समय रहते एहतियाती कदम उठाए गए।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, एक पाकिस्तानी आतंकी ढेर

बुछार में ऑपरेशन डीआईजीजीआई-2 जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

पुंछ/उरी। कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में 'ऑपरेशन DIGGI-2' के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। यह कार्रवाई तब हुई जब भारतीय सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा यानी LoC के पास कुछ हलचल देखी। इसके बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन चलाया। 14-15 मार्च की रात बुछार इलाके में घुसपैठ कर रहे आतंकी ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें आतंकी मारा गया। सेना ने आतंकी के पास से हथियार बरामद किए हैं, जिसमें एक AK राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद शामिल हैं। ऑपरेशन फिलहाल जारी है। वहीं, शनिवार को पुंछ में जारी 'ऑपरेशन

शेरीकलां' के तहत एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (JCO) शहीद हो गया। जवान का नाम सूबेदार संदीप कुमार ढाका है। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि ढाका सुरनकोटे के ऊबड़-खाबड़ इलाके में ड्यूटी करते समय फिसलकर गिर गए थे। यह ऑपरेशन 18 जनवरी को चतरू बेल्ट के मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में शुरू किया गया था। पहले एनकाउंटर में 8 जवान घायल हुए थे।

भारतीय तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी

मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौटते समय हादसा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के गंडकी प्रांत के गोरखा जिले में शनिवार रात भारतीय तीर्थयात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 घायल हैं। यात्री मनाकामना मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक माइक्रोबस मनकामना मंदिर से लौट रही थी, तभी सड़क से फिसलकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में घायल 7 यात्रियों को भरतपुर स्थित चितवन मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। प्रशासन के अनुसार बस मनाकामना

मंदिर से तनहुन जिले के अंबुखैरेनी इलाके की ओर जा रही थी। घटना के बाद देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। पुलिस ने बताया कि हादसे की दूसरे वजहों की भी जांच की जा रही है। इससे पहले नेपाल के धादिंग जिले में 23 फरवरी को एक पर्यटक बस 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई थी। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए थे। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी और उसमें 44 लोग सवार थे। मृतकों में 24 साल का ब्रिटिश नागरिक, 40 साल की चीनी महिला और 32 साल का भारतीय पुरुष भी शामिल हैं। नेपाल में पहाड़ी इलाकों में संकरी सड़कें और खराब सड़क रखरखाव के कारण सड़क दुर्घटनाएं आम हैं।

7 लोगों की मौत | 7 घायल

सड़क दुर्घटनाओं से नेपाल में नुकसान तीन गुना बढ़ा

विश्व बैंक की एक स्टडी के मुताबिक नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान 2007 के बाद तीन गुना बढ़ चुका है और अब यह देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का लगभग 1.5% है। विश्व बैंक के अनुसार नेपाल में सड़क हादसों में मरने वालों में 70% से ज्यादा पैदल यात्री, साइकिल सवार और मोटरसाइकिल चालक जैसे संवेदनशील रोड यूजर होते हैं।

हादसे में बस का ड्राइवर सुरक्षित, सहायक घायल

गोरखा जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज अर्याल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। सभी भारतीय नागरिक थे। जिला पुलिस प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार मृतकों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामालिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलरसी (60) के रूप में हुई है। हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, इलेक्ट्रिक बस का ड्राइवर सुरक्षित बच गया, जबकि उसका सहायक इस हादसे में घायल हुआ है।

नेपाल का ज्यादातर हिस्सा पहाड़ी और दुर्गम है। सड़कों के किनारे गहरी खाइयां और ढलान होती हैं। थोड़ी सी गलती या खराब मौसम में वाहन आसानी से सड़क से फिसल सकते हैं, इसलिए सड़क हादसे ज्यादा होते हैं।

मांग : शराब नीति मामले में हाईकोर्ट के समन को चुनौती, जज बदलने की मांग, ट्रायल कोर्ट से बरी हो चुके

केजरीवाल-सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग करते हुए याचिका दाखिल की है। वहीं सिसोदिया ने हाईकोर्ट के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को एक्साइज पॉलिसी केस में डिस्चार्ज (रिहा) कर दिया था। इसी दिन CBI ने हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी। 9 मार्च को हाईकोर्ट के जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा

ने CBI की याचिका पर केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। CBI की अपील पर अब 16 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। इसी बीच AAP नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एजेंसी फिलहाल डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं चाहती, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीबीआई का दावा- केजरीवाल के करीबी विजय नायर ने साउथ ग्रुप से ₹100 करोड़ वसूले

सीबीआई का दावा है कि केजरीवाल के करीबी विजय नायर दिल्ली एक्साइज बिजनेस के स्टेकहोल्डर्स के संपर्क में थे। वे शराब नीति में उन्हें फायदा देने के बदले पैसों की मांग करते थे। नायर वो जरिया थे, जिन्होंने केजरीवाल के लिए BRS नेता के. कविता की अध्यक्षता वाले साउथ ग्रुप के लोगों से डील की।

जांच अधिकारी के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन पर भी रोक

9 मार्च की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की CBI अधिकारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

दो पूर्व विधायकों ने चुनाव में पार्टी से पैसे मिलने का दावा किया था

CBI के अनुसार AAP के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले गोवा के दो पूर्व विधायकों ने आरोप लगाया था कि उन्हें एक पार्टी वालंटियर ने चुनाव खर्चों के लिए कैश दिए थे। एजेंसी ने अवैध रुपए लेने और उसके इस्तेमाल के लिए AAP के गोवा प्रभारी दुर्गेश पाठक को भी जिम्मेदार ठहराया है। एजेंसी का दावा है कि शराब नीति के तीन स्टेकहोल्डर्स- शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं का एक गुट तैयार हुआ था। सभी ने अपने-अपने फायदे के लिए नियमों का उल्लंघन किया। BJP ने केजरीवाल-सिसोदिया के बरी होने के कुछ देर बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी किया, जिसमें लिखा है- AAP के पाप अभी पाप धुले नहीं हैं।

पुजारियों- मुअज्जिनों का मानदेय 500 बढ़ा

चुनाव के ऐलान से सवा घंटे पहले ममता का ट्वीट

2000 मिलेंगे अब हर महीने

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से सवा घंटे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुजारियों और मुअज्जिनों (अजान के लिए आवाज देने वाला) के मानदेय में 500 की बढ़ोतरी की है। इन्हें अब हर महीने 2 हजार रुपए मिलेंगे। सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनरों को बकाया डीए मार्च से देने का ऐलान किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम ममता ने रविवार दोपहर एक्स पोस्ट में लिखा- पुजारी और मुअज्जिन समुदायों के आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार ने मानदेय योजना के तहत पुजारियों और मुअज्जिनों की सभी नई आवेदनों को भी मंजूरी दे दी है।

ब्राह्मण साथ आए तो सपा बौखलाई: मायावती

समाजवादियों का पीडीए प्रेम छलावा, बीएसपी ही बहुजन की असली पार्टी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में पूर्व सीएम मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को कांशीराम जयंती पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से वोटों की ताकत से सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए एकजुट होने को कहा। उन्होंने कहा कि बसपा ही बहुजन समाज की असली पार्टी है। बाकी सभी पार्टियां स्वार्थ की साथी हैं। कांशीराम जयंती को 'पीडीए दिवस' के रूप में मनाने पर बसपा ने सपा पर हमला बोला। उन्होंने एक प्रेस नोट जारी कर कहा- इनका पीडीए प्रेम सिर्फ छलावा है। इन लोगों को इन वर्गों और इनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के वक्त ही आती है। सरकार बन जाने पर वे उन्हें दरकिनार करने में जरा-सा भी वक्त नहीं लगाते। दरअसल, कांशीराम की 92वीं जयंती पर प्रदेश में सियासी गतिविधियां तेज हैं। बसपा ने 'चलो लखनऊ' का नारा देते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें प्रदेशभर से हजारों कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे हैं। जबकि उनकी जयंती को सपा की बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी, 'पीडीए दिवस' के रूप में मना रही। 13 मार्च को कांग्रेस ने भी राजधानी में कांशीराम की जयंती पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। राहुल गांधी इसमें शामिल हुए थे। कांग्रेस ने कांशीराम को भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी पास किया। तय हुआ कि राहुल गांधी संसद में इस प्रस्ताव को रखेंगे। रामबाबू सुदर्शन ने कहा- मान्यवर कांशीराम ने अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित, दलित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित किया। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए लगातार संघर्ष किया।

प्रदेश के 12 मंडलों से लखनऊ आए बसपाई

लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर प्रदेश के 12 मंडलों से पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी ने प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की थी। सोशल मीडिया पर भी '15 मार्च चलो लखनऊ' अभियान चलाया गया। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि इस आयोजन के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश की जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने कांशीराम को श्रद्धांजलि देकर उनके विचारों को याद किया।

सपा ने कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाया

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी की बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी ने कांशीराम जयंती को 'पीडीए दिवस' के रूप में मना रही है। वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रामबाबू सुदर्शन ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन में प्रदेश और देशभर में जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विभिन्न जिलों, नगरों और गांवों में श्रद्धांजलि सभाएं, विचार गोष्ठियां और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे।

मायावती ने एक्स पर लिखा- कांशीराम ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की सोच और मूवमेंट को पूरे देश में जिंदा किया। बहुजन समाज को एकजुट करने के लिए ऐतिहासिक काम किया। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। हमारे सभी कार्यकर्ता बसपा मूवमेंट से जुड़कर मिशनरी और ईमानदार अंबेडकरवादी बनें और अपने वोट की शक्ति से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करें।

समाज की उन्नति के लिए शिक्षा और एकजुटता महत्वपूर्ण: प्रमोद पटवा

पटवा महासभा का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पटवा महासभा द्वारा सरोजिनी नगर स्थित राज बब्बर गेस्ट हाउस में हर्षोल्लास के साथ सामाजिक समरसता का महापर्व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच बच्चों द्वारा मनमोहक गीत, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियां ने माहौल को उत्साह और उल्लास से भर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पटवा महासभा द्वारा पुरष्कृत भी किया गया। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाओं के साथ समाज में प्रेम व सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए किंज जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. पंकज पटवा ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता, शिक्षा और आपसी सहयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। यदि समाज के लोग शिक्षित और जागरूक होंगे तो वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। डॉ. पंकज पटवा ने कहा कि समाज के लोगों को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार और बेहतर मार्गदर्शन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों से लोगों के बीच आपसी मेल-मिलाप बढ़ता है और समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा मिलती है। वहीं समारोह में पटवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद पटवा ने कहा कि हमारा एक उद्देश्य समाज के योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी खोजने में परिवारों की सहायता करना भी है।

फास्ट न्यूज

हाउस टैक्स के लिए जागरूकता रैली निकाली

लखनऊ। लखनऊ में हाउस टैक्स जमा करने को लेकर नगर निगम जोन- 3 में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जोनल सेनेटरी ऑफिसर मनोज कुमार यादव ने ई-रिक्शा और स्वच्छता वाहनों के माध्यम से 6 वार्डों में जागरूकता रैली निकाली। मौके पर लाउडस्पीकर के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया गया। उनका कहना है।

लखनऊ में ग्रीन बेल्ट पर बनेंगे खूबसूरत पार्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की कानपुर रोड योजना में वर्षों से बेकार पड़ीं ग्रीन बेल्ट अब जल्द ही खूबसूरत पार्कों में बदलेंगी। इन स्थानों को विकसित कर यहां आधुनिक सुविधाओं से लैस पार्क बनाए जाएंगे, जहां लोग सुबह-शाम सैर, व्यायाम और मनोरंजन कर सकेंगे। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। योजना के तहत पार्कों में ओपन जिम, बच्चों के लिए झूले और बैठने के लिए आकर्षक स्थान विकसित किए जाएंगे।

मेडिकल छात्रा से ट्रेन में रेप की कोशिश

लखनऊ। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही सबरमती एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कोच में एमबीबीएस कर रही एक छात्रा से रेप की कोशिश का आरोप है। छात्रा के मां की शिकायत के बाद जीआरपी और आरपीएफ एक्टिव हुई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया 'एक्स' पर शिकायत में छात्रा की मां ने बताया- उनकी बेटी को पानी में नारकोटिक्स और पिज्जा देने की कोशिश की गई।

लखनऊ हाईकोर्ट में 5 दिन डाले वोट, 333 उम्मीदवारों का भाग्य मतपेटी में बंद

यूपी बार काउंसिल चुनाव : आखिरी दिन 82% मतदान

- उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पद के चुनाव के लिए लखनऊ में पांच दिवसीय मतदान प्रक्रिया रविवार खत्म हो गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पद के चुनाव के लिए लखनऊ में पांच दिवसीय मतदान प्रक्रिया रविवार खत्म हो गई। 11 मार्च से शुरू हुई इस प्रक्रिया में हाईकोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं ने मतदान किया। अंतिम दिन सबसे अधिक करीब 82 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अब मतगणना के बाद 25 सदस्यीय कमेटी के लिए विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। यूपी बार काउंसिल के इस चुनाव में लखनऊ में रजिस्टर्ड अधिवक्ताओं को अलग-अलग वर्षों के आधार पर मतदान की तिथि निर्धारित की गई थी। इसी क्रम में प्रतिदिन लगभग साढ़े पांच हजार अधिवक्ताओं को मतदान का अवसर दिया गया। 11 मार्च से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया में पहले दिन सन् 1962 से 2000 तक के रजिस्टर अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद अगले दिनों में अलग-अलग बैच के अधिवक्ताओं ने मतदान किया और 15 मार्च को अंतिम दिन प्रक्रिया पूरी हुई।

प्रदेश स्तर पर होने वाले इस चुनाव में सदस्य पद के लिए कुल 333 अधिवक्ताओं ने नामांकन किया था। हालांकि दो प्रत्याशियों के निधन के बाद अब 331 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रह गए हैं।

जनवरी में हंगामे के कारण टल गया था चुनाव

गौरतलब है कि यूपी बार काउंसिल का चुनाव पहले 27 और 28 जनवरी को प्रस्तावित था, लेकिन उस समय अव्यवस्था और हंगामे की स्थिति के कारण चुनाव प्रक्रिया को स्थगित करना पड़ा था।
इसके बाद संशोधित कार्यक्रम के तहत लखनऊ में 11 से 15 मार्च के बीच मतदान कराया गया। जबकि लखनऊ में करीब 26 हजार अधिवक्ता इस चुनाव में मतदाता हैं।
इनमें से मतगणना के बाद 25 सदस्यीय कमेटी के लिए विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। बड़ी संख्या में उम्मीदवार होने के कारण अधिवक्ताओं के बीच चुनाव को लेकर खासा उत्साह और सक्रियता देखने को मिली।

ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के विद्युत उपकेंद्र मडियाहूं निरीक्षण के बाद जेई निलंबित

उपखंड अधिकारी को भी कारण बताओ नोटिस जारी

- अनुपस्थित रहने और अनियमितता पर सख्त कदम।
- गर्मी के मौसम को देखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश।

तमसा संकेत, संवाददाता

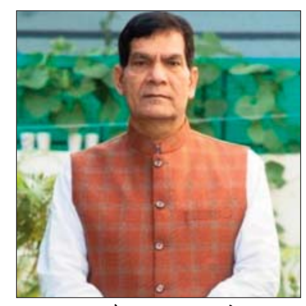

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के कड़े रुख के बाद जौनपुर जनपद के मडियाहूं विद्युत उपकेंद्र में बड़ी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान अवर अभियंता (जेई) के अनुपस्थित रहने और कार्यालय में अनियमितताएं पाए जाने पर अधीक्षण अभियंता अनिल पाठक ने अवर अभियंता शहजाद अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित उपखंड अधिकारी सौरभ तिवारी को भी चार्जशीट जारी की गई है। ऊर्जा मंत्री द्वारा स्पष्ट किया गया कि विद्युत व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री शर्मा ने पाया कि कई अभिलेख और लॉगशीट सही तरीके से भरे नहीं गए थे तथा जिम्मेदार अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं थे। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री श्री शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत विभाग जनसेवा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही से जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें।

बढ़नी में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन, सपा नेताओं व गणमान्य लोगों की रही मौजूदगी

मानेन्द्र मिश्रा की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में सौहार्द और भाईचारे का दिया गया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी शिक्षक सभा सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मणेन्द्र मिश्रा द्वारा शोहरतगढ़ विधानसभा के बढ़नी में रोजा इफ्तार पाटी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पाटी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, समाज के सभी लोगों सहित शोहर-तगढ़ विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। सभी लोगों ने समाज में अमन, चैन और सामाजिक सौहार्द की कामना की। इफ्तार पार्टी में सर्वश्री नेता विरोधी दल सर्वश्री माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व सांसद कुशल तिवारी, पूर्व विधायक अनिल सिंह, प्रदेश सचिव अजय चौधरी, विधायक प्रतिनिधि डुमरियागंज जहीर मलिक, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुरली धर मिश्रा, डॉ. सरफराज अंसारी एवं जयकरन गौतम, प्रदेश सचिव राम मिलन भारती, जिला महासचिव कमरुज्जमा, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक शकील शाह, जिला सचिव हरिराम यादव, प्रदेश सचिव जावेद खान, मसूद खान, डॉ. शराफुद्दीन, इफ्तिखार मैनेजर, पूर्व चेयरमैन निसार बागी, पूर्व प्रमुख जाकिर हुसैन, डॉ. इस्तहाक़, राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक इब्राहिम बाबा, जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ गोपाल फौजी, राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अजय चौरसिया, जोन प्रभारी राकेश दूबे, अकील अहमद उर्फ मुन्नू, सभासद निजाम एवं निसार, सेक्टर प्रभारी हरिनाथ यादव, सेक्टर प्रभारी शफात, विधानसभा अध्यक्ष इटवा बबलू खान, ब्लॉक अध्यक्ष इटवा सुनील यादव, मुस्तफा, जहीर नेता, प्रधान गयासुद्दीन, सोनू यादव जिला सचिव, राकेश कुमार, मुजम्मिल प्रधान, प्रधान सईद आलम दुधवनिया, शादाब, इरशाद, शफीक, वाहिद, डॉ. मोईन, मारूफ खान, मतलूब खान, अब्दुल मन्नान, जलाल, फैजान, करतब यादव, डॉ. खालिद आदि शामिल रहे।

सपाई बोले- किसी को भूखा नहीं सोने देंगे, लखनऊ में उपले बांटे: पुलिस से झड़प

'भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर खाली हो गया'

- आवाज लगाकर विधान भवन के सामने उपले बांटते सपाई।
- राम प्रकाश मौर्या ने कहा- भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर हुआ खाली।
- महिला पुलिस कर्मियों को भी उपले देने की कोशिश।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सपाइयों ने LPG गैस की किल्लत के बीच उपले बांट कर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। विधान भवन के सामने बापू भवन चौराहे के पास जमीन पर बैठकर ढेर सारे उपले रखकर प्रदर्श-नकारी चिल्ला रहे थे- उपले ले लो, उपले ले लो। सपाइयों को उपला बांटता देख मौके पर पुलिस पहुंच गई। प्रदर्शन कर रहे राम प्रकाश मौर्या ने कहा- सिलेंडर की कीमत से आम जनता परेशान है। सरकार को गरीबों की आम जनता की कोई चिंता नहीं है। भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर हमारे घरों के किचन से खाली हो गया है। समाजवादी छात्र सभा के लोगों को पुलिस ने उपले बांटने से रोका।

हमारे पास उपलों का भरपूर स्टॉक

हम लोग वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में विधान सभा पर निशुल्क उपले बांट रहे हैं। भारी मात्रा में हमारे पास उपले का स्टॉक मौजूद है। हमने अपने गांव के लोगों से कहकर उपले तैयार करवाए हैं। गांव से लाकर उपले शहरों में बांट रहे हैं। प्रतिदिन अपने गांव से उपले लाकर शहर में बाटेंगे और किसी को भी भूखा नहीं रहने देंगे। भाजपा भूख से तड़पा-तड़पा कर आम जनता को मारना चाहती है। ऐसे संकट के समय में हम देश के साथ खड़े हैं। हम नहीं चाहते हैं कि कोई भी भूखा सोए।

भाजपा सरकार की आंख खोलने का काम करेंगे

प्रवेश यादव ने कहा- घरों से सिलेंडर गायब हो गए हैं। भाजपा के यही अच्छे दिन हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी लाइन लगी हैं। यह बता रहे हैं कि 20 दिन का स्टॉक बचा है। यही अच्छे दिन भाजपा के हैं। हम लोग छात्र हैं। जानते है कि हॉस्टल में और किराए पर रहने वाले छात्रों की स्थिति बेहद खराब है। उनके लिए चुनौती है। कहां से लकड़ी लाएं। कंडे की व्यवस्था करें। अयोध्या जैसी रसोई बंद हो गई। कोई भी एजेंसी देख लीजिए।

हमला : सपा सरकार बनी तो छत्रपति शिवाजी के नाम पर बनेगा 1000 एकड़ का पार्क

भाजपा राजनीतिक दल नहीं, गैंग है: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को मुम्बई में आयोजित 'विजन इंडिया' कार्यक्रम के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक गैंग की तरह काम कर रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रयागराज माघ मेले में पूज्य शंकराचार्य को गंगा में स्नान नहीं करने दिया और उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ झूठे मुकदमे में फंसाने का भी षड्यंत्र किया गया। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव कराना चाहिए और किसी भी राजनीतिक दबाव में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में चुनाव आयोग, भाजपा और प्रशासन मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित, दुखी और अपमानित लोगों को एकजुट करने का काम कर रही है। इसी उद्देश्य से पार्टी ने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा दिया है, जिससे सभी वर्गों को सम्मान और अधिकार मिल सके। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित, दुःखी और अपमानित लोगों को एकजुट करने का काम कर रही है। इसी उद्देश्य से पार्टी ने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा दिया है, जिससे समाज के सभी वर्गों को सम्मान और अधिकार मिल सके।

छत्रपति शिवाजी के नाम पर पार्क बनाने का वादा

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर देश का सबसे बड़ा म्यूजियम बनाया जा रहा था, जिसकी लागत करीब 300 करोड़ रुपये थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे रोक दिया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर छत्रपति शिवाजी के नाम पर एक हजार एकड़ का बड़ा पार्क बनाया जाएगा।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

उन्होंने बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम को याद करते हुए कहा कि उन्होंने बहुजन समाज को जागरूक करने में बड़ा योगदान दिया। अखिलेश यादव ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग भी दोहराई। अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में समाजवादी पार्टी ममता बनर्जी का समर्थन कर रही है और चाहती है कि वे दोबारा मुख्यमंत्री बनें।

लघु-मध्यम समाचार पत्रों की समस्याओं पर संवाददाता समिति की निदेशक से वार्ता

विज्ञापन वितरण में भेदभाव खत्म करने और मासिक पत्रिकाओं के विज्ञापन जारी रखने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के प्रकाशन में आ रही बाधाओं के निराकरण हेतु उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के सचिव भारत सिंह ने पदाधिकारियों के साथ सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह से वार्ता की। निदेशक ने समिति को आश्वस्त किया कि सुचारू रूप से सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति द्वारा निदेशक विशाल सिंह से वार्ता के दौरान अवगत कराया गया कि लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के लिए शासन द्वारा विज्ञापन मद में जारी धनराशि बड़े प्रकाशकों को न जारी कर उन्हें उपलब्ध कराया जाए जिससे सरकार की योजनाओं और परियोजनाओं को प्रचार के माध्यम से पाठकों तक पहुँचाया जा सके। इसके अलावा एक बड़ी संख्या है जिन्हें विज्ञापन न मिलकर लघु एवं मध्यम के कुछ प्रकाशकों को अनवरत विज्ञापन जारी किया जा रहा है, ऐसा भेदभाव न हो बल्कि रूटीन बनाया जाए। समिति के पदाधिकारियों ने निदेशक श्री सिंह से वार्ता में यह बात भी रखी कि मासिक पत्रिकाओं का विज्ञापन न रोका जाए तथा लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों को एजेंसी से विज्ञापन जारी कराने की बजाए सीधा विभाग द्वारा दिया जाए, क्योंकि भुगतान अत्यधिक समय तक लम्बित रहता है। निदेशक श्री सिंह ने आश्वस्त किया कि मासिक पत्रिकाओं के सम्बन्ध में शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि ऐड एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिया गया है कि जब तक पिछले भुगतान की एनओसी नहीं जारी करेंगे तब तक उन्हें नया कार्य आवंटित नहीं किया जाएगा। समिति के सचिव भारत सिंह ने बताया कि संवाददाताओं, समाचार पत्र-पत्रिकाओं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार एजेंसियों की बेहतरी के लिए विभाग व शासन से समय-समय समिति वार्ता करती रहेगी। समिति के उपाध्यक्ष आकाश शेखर शर्मा, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार त्रिपाठी, संयुक्त सचिव अनिल सैनी, कार्यकारिणी सदस्यों में नवेद शिकोह, वेद दीक्षित, भूपेन्द्र मणि त्रिपाठी, राघवेन्द्र सिंह, सुयश मिश्रा और रेनू निगम ने भी निदेशक श्री सिंह से वार्ता की।

छात्रों ने तैयार किए आकर्षक और उपयोगी वैज्ञानिक मॉडल, प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर इलेक्ट्रिक क्लीनर

बसखारी में वेस्ट्रीज हिल्टन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

प्रदर्शनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के बसखारी क्षेत्र में वेस्ट्रीज हिल्टन स्कूल मकोइया में रविवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन स्कूल प्रबंधन के मोहम्मद बख्शीश खान और प्रधानाचार्य मोहसिन खान ने किया। इस दौरान छात्रों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल को देखा गया और उनकी सराहना की गई। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्रशांत सागर यादव को दिया गया, जिन्होंने इलेक्ट्रिक क्लीनर तैयार किया। दूसरे स्थान पर सोलर कुकर बनाने वाले अम्बरेश रंजन, विभु मिश्रा, यश पांडेय और हरीश रहे। तीसरे स्थान पर मिलिट्री वार टैंक बनाने वाले मोहम्मद शारिक, आयन अली और सूरज ने मिलकर सफलता हासिल की। कार्यक्रम में इमरान खान, नूरजहां खान, हलीमा खान, जोया खान, मोहम्मद अशरफ, रमन कुमार, अतुल तिवारी, शिवानी, कामनी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रशांत सागर यादव ने प्राप्त किया, जिन्होंने इलेक्ट्रिक क्लीनर का मॉडल तैयार किया। दूसरे स्थान पर सोलर कुकर बनाने वाले अम्बरेश रंजन, विभु मिश्रा, यश पांडेय और हरीश रहे। वहीं तीसरे स्थान पर मिलिट्री वार टैंक का मॉडल तैयार करने वाले मोहम्मद शारिक, आयन अली और सूरज ने संयुक्त रूप से स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय में विज्ञान के प्रति रुचि और शिक्षा को बढ़ावा

प्रधानाचार्य मोहसिन खान ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि बढ़ती है। उन्होंने बताया कि आज के छात्र भविष्य में वैज्ञानिक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर पैरेंट्स टीचर मीटिंग भी आयोजित की गई, जिसमें छात्रों को मार्कशीट वितरित की गई और सत प्रतिशत रिजल्ट रहा। ट्रेनर खुशी श्रीवास्तव ने अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग दी।

कक्षा एक से 12 तक के छात्रों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा एक से लेकर कक्षा 12 तक के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने रोबोटिक, स्मार्ट सिटी, इलेक्ट्रिक क्लीनर, इलेक्ट्रिक कार, रोबोट, आधुनिक चश्मा, ह्यूमन हार्ट, इलेक्ट्रिक टैंक, ट्रैफिक लाइट, सोलर पैनल, वाटर फिल्टर समेत कई अन्य मॉडल प्रदर्शित किए।

राउतपारा में विवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में पति गिरफ्तार

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को दबोचा, विसरा रिपोर्ट का इंतजार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के आलापुर क्षेत्र के राउतपारा गांव में विवाहिता बनिता पांडे (30) की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी पति विवेक उर्फ अंकित पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई शनिवार को की। इस मामले में मृतका के पिता शैलेंद्र कुमार मिश्र की तहरीर पर पुलिस ने पति विवेक उर्फ अंकित पांडेय और सास गीता देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। शिकायत में बेटी की मौत को संदिग्ध बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई थी। पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच होली के समय से ही विवाद चल रहा था। बृहस्पतिवार सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ था। इसके कुछ समय बाद बनिता पांडे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने मामले को संदिग्ध बताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई गई। इंस्पेक्टर रितेश कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद विसरा सुरक्षित किया गया है। विसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

फास्ट न्यूज

सपा ने मनाई कांशीराम जयंती

अंबेडकरनगर में समाजवादी पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कांशीराम की जयंती विभिन्न स्थानों पर मनाई। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर उनके योगदान को याद किया। वहीं अकबरपुर विधानसभा कार्यालय स्थित भानमती उत्सव वाटिका में पूर्व मंत्री राम अचल राजभर की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। आलापुर क्षेत्र में विधायक त्रिभुवन दत्त की अध्यक्षता में भी कार्यक्रम हुआ।

कलेक्ट्रेट में 19 मार्च को राजस्व विभाग के वाहन की नीलामी

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट में राजस्व विभाग के वाहन संख्या यूपी-45 जी-0201 की सार्वजनिक नीलामी 19 मार्च 2026 को अपराह्न 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्सना बंधु ने दी। नीलामी की शर्तें कलेक्ट्रेट, सभी तहसीलों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई हैं। निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी नीलामी में भाग ले सकेंगे।

नीलगाय के अवैध शिकार का मामला दर्ज

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र में नीलगाय के अवैध शिकार का मामला सामने आया है। वन विभाग की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। वन विभाग के अनुसार 14 मार्च 2026 को सूचना मिली कि ग्राम सुल्तानपुर तप्पा हवेली के कम्हरिया घाट के पास नदी किनारे एक नर नीलगाय मृत अवस्था में पड़ी है।

राजेसुल्तानपुर में सड़क जाम मामले में कार्रवाई

25 नामजद समेत करीब 200 अज्ञात पर मुकदमा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के बाद हुए प्रदर्शन और मार्ग जाम के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। राजेसुल्तानपुर पुलिस ने सड़क जाम कर हंगामा करने के आरोप में 25 नामजद समेत करीब 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई सिरसिया-ओझानगर मार्ग पर हुए प्रदर्शन के बाद की गई। दरोगा भर्ती परीक्षा देने जा रहे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मार्ग जाम कर दिया था। इस दौरान लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और काफी देर तक हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान सड़क जाम होने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था। क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति भी बन गई थी। पुलिस का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा, सड़क जाम कर यातायात प्रभावित करने और शांति व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर प्रदर्शन में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर रही है। पहचान होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के मूल मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बाइक को टक्कर मारने के आरोप में डायल 112 की पुलिस गाड़ी के खिलाफ अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भ्रष्टाचार ने निगल लिया आरआरसी सेंटर, स्वच्छता का सपना हुआ अधूरा

हसनपुर-जलालपुर में बने सेंटर जल्द ही खंडहर में तब्दील

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद अंबेडकर नगर के अकबरपुर विकासखंड के हसनपुर-जलालपुर क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने आरआरसी (रूरल रिसाइकलिंग सेंटर) सेंटरों की हालत अब सवालों के घेरे में है। लाखों की लागत से तैयार किए गए ये केंद्र, निर्माण के कुछ ही समय बाद खंडहर में बदल गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट और जांच में सामने आया कि सेंटर की दीवारें टेढ़ी-मेढ़ी हैं, छत उड़ने की कगार पर है और फर्श पर टूटे-फूटे हिस्से और कचरे के अवशेष बिखरे हुए हैं। सेंटर का उद्देश्य ठोस कचरे का अलग-अलग प्रबंधन करना और रिसाइकलिंग करना था, लेकिन वर्तमान में ये पूरी तरह अनुपयोगी साबित हुए हैं। आधिकारिक दस्तावेजों में कार्य पूरा दिखाकर भुगतान किया गया, लेकिन हकीकत में सेंटर जर्जर हालत में है। अधिकारी और कर्मचारी निगरानी में नाकाम साबित हुए। हसनपुर-जलालपुर के ये सेंटर उसी श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिसमें पूरे जिले में कई ऐसे केंद्र बने, जो बनने के तुरंत बाद बर्बाद हो गए। जिले के अन्य इलाकों में भी यही स्थिति देखी गई। उदाहरण के लिए, सम्मनपुर गांव में आरआरसी सेंटर लाखों रुपये की लागत से तैयार होने के बाद ताले में बंद पड़ा है। वहीं, कचरा गलियों में फैला हुआ है।

आसोपुर एएम हॉस्पिटल में रोज़ा इफ्तार पार्टी आयोजित

जनपद भर के रोज़ेदारों ने लिया हिस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के आसोपुर स्थित एएम आंख एवं मैटरनिटी हॉस्पिटल में शनिवार को रोज़ा इफ्तार पार्टी और दावत का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ताण्डा और आसपास के जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में रोज़ेदार और सम्मानित लोग शामिल हुए। निर्धारित समय पर रोज़ेदारों ने रोज़ा खोला और इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज़-ए-मगरिब अदा की। नमाज़ संपन्न होने के बाद कार्यक्रम में दावत-ए-इफ्तार और भोजन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने मिलजुल कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सुव्यवस्था बनाए रखने और मेहमानों की सेवा में हेल्प प्वाइंट एनजीओ के सदस्य सक्रिय रहे। उन्होंने भोजन व्यवस्था और बैठने-सहूलियत को सुचारू बनाए रखा। नेत्र सर्जन अतीक आलम और महिला रोग विशेषज्ञ मोहसिना खातून ने कार्यक्रम में शामिल सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना भाईचारे, आपसी प्रेम और सामाजिक एकता का संदेश देता है। ऐसे आयोजन समुदाय में सहयोग और मेलजोल की भावना को बढ़ावा देते हैं।

अकबरपुर में खराब पड़े वाटर कूलर, गर्मी बढ़ने से बढ़ी चिंता

20 स्थानों पर लगे कूलर जर्जर, कई जगह ठंडा पानी नहीं मिल रहा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के जिला मुख्यालय अकबरपुर में गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए कई वाटर कूलर खराब पड़े हैं। इसके कारण लोगों को ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है और कई जगह बोतल बंद पानी खरीदना पड़ रहा है। नगर पालिका ने शहर में नागरिकों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करीब 20 स्थानों पर वाटर कूलर लगाए थे। इनमें तहसील तिराहा स्थित हनुमान मंदिर, शहजादपुर सब्जी मंडी, गांधी चौक, संघतियां पुलिस चौकी, फव्वारा तिराहा, अयोध्या रोड चुंगी नाका, न्यायालय परिसर, जिला अस्पताल और पटेलनगर जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। एक वाटर कूलर लगाने में नगर पालिका करीब 40 हजार रुपये खर्च करती है। लेकिन समय पर मरम्मत न होने के कारण कई कूलर जर्जर हो गए हैं। शहजादपुर में डॉ. राममनोहर लोहिया चौक से वाटर कूलर गायब बताया जा रहा है। हनुमान मंदिर के पास लगे कूलर से पानी तो निकल रहा है, लेकिन वह ठंडा नहीं है। फव्वारा तिराहे पर कूलर के आसपास गंदगी की समस्या है। रेलवे स्टेशन गली में लगा वाटर कूलर बंद पड़ा है। शहजादपुर क्षेत्र में बड़े शॉपिंग मॉल और दुकानों के कारण रोज बड़ी संख्या में लोग आते हैं। नगर और आसपास के गांवों से आने वाले लोगों को गर्मी में पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अभी तापमान सामान्य है, लेकिन आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने पर परेशानी और बढ़ सकती है। जलकल विभाग के अवर अभियंता शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शहर के सभी खराब वाटर कूलरों को चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही उनकी मरम्मत कराकर उन्हें चालू कराया जाएगा। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत के अनुसार गर्मी में लोगों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

गर्मी बढ़ने के साथ ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या, अप्रैल-मई में 360 मेगावाट तक पहुंच सकता है लोड

बढ़ी बिजली की मांग, 200 मेगावाट तक पहुंची खपत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में मार्च के पहले पखवाड़े में ही बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। जिले में बिजली की खपत बढ़कर करीब 200 मेगावाट तक पहुंच गई है। ट्रांसमिशन विभाग का अनुमान है कि तापमान बढ़ने पर अप्रैल और मई में यह मांग 360 मेगावाट तक पहुंच सकती है। गर्मी बढ़ने के कारण घरों और दफ्तरों में एसी और कूलर का उपयोग समय से पहले शुरू हो गया है। इसका सीधा असर बिजली व्यवस्था पर दिखने लगा है। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति बनाए रखना चुनौती बनता जा रहा है। तेज धूप के कारण दोपहर के समय बिजली की मांग अधिक बढ़ रही है। इस स्थिति को देखते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम अतिरिक्त बिजली की खरीद भी कर रहा है, ताकि आपूर्ति को संतुलित रखा जा सके। जिले में बिजली आपूर्ति के लिए 113 ग्रामीण और 33 शहरी फीडर संचालित हैं। इसके अलावा 35 हजार से अधिक छोटे-बड़े ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। जिले के विद्युत उपकेंद्रों को बिजली आपूर्ति 33 केवीए लाइनों से की जाती है। इसके लिए कोटवा महमदपुर 132 केवीए, टांडा 132 केवीए ट्रांसमिशन तथा कुर्की बाजार 220 केवीए ट्रांसमिशन केंद्र से आपूर्ति मिलती है।

जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पर दबाव साफ दिख रहा है। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार मार्च के पहले और दूसरे सप्ताह में बिजली की खपत करीब 50 मेगावाट बढ़ गई है। होली तक जिले में बिजली की खपत करीब 150 मेगावाट थी, जो अब बढ़कर 200 मेगावाट हो गई है।

ट्रांसफार्मर और फीडरों पर बढ़ा दबाव

बिजली की खपत बढ़ने से ट्रांसफार्मरों और फीडरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर से तेल रिसाव, तार जलना, फ्यूज उड़ना, फीडर खराब होना और इंसुलेटर में खराबी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। इसके कारण कई इलाकों में बार-बार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की शिकायत मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के आने-जाने की समस्या बनी हुई है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार आपूर्ति बनाए रखने में बिजली विभाग को परेशानी हो रही है।

जिले में इतने उपकेंद्र और फीडर संचालित

जिले में बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी अकबरपुर, जलालपुर, टांडा और आलापुर डिवीजन के पास है। इन डिवीजनों के तहत 41 विद्युत उपकेंद्र संचालित हैं। इनसे जिला मुख्यालय सहित 899 गांवों और करीब चार लाख 30 हजार उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जाती है।

अभियान : 1 से 15 अप्रैल तक पहला चरण, स्कूल से बाहर बच्चों के नामांकन पर जोर

नए सत्र के लिए 'स्कूल चलो अभियान'

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में नए शैक्षिक सत्र 2026-27 को लेकर 'स्कूल चलो अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करना और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। शासन स्तर से इस संबंध में सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अभियान के तहत 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी जो किसी कारणवश स्कूल से बाहर हैं या पढ़ाई छोड़ चुके हैं। शिक्षा विभाग द्वारा इन बच्चों को चिन्हित कर उन्हें फिर से विद्यालयों में नामांकित कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा। गांव-गांव और मोहल्लों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही उन्हें यह भी बताया जाएगा कि सरकार की ओर से बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, किताबें, ड्रेस और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'स्कूल चलो अभियान' दो चरणों में संचालित किया जाएगा। इसका पहला चरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के दौरान विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और विभिन्न विभागों के सहयोग से अभियान को प्रभावी बनाया जाएगा। अभियान शुरू होने से पहले जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित विभागों की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिले की स्थिति की समीक्षा करते हुए अभियान की विस्तृत रणनीति और कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जा सके। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि 'स्कूल चलो अभियान' के माध्यम से जिले में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

तीन प्रमुख लक्ष्य तय

अभियान के लिए तीन प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। पहला, तीन वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों का आंगनबाड़ी और बालवाटिका में नामांकन कराया जाएगा। दूसरा, छह वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी बच्चों का कक्षा एक में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। तीसरा लक्ष्य सात से 14 वर्ष तक के स्कूल से बाहर बच्चों को चिन्हित कर उनका विद्यालयों में नामांकन कराना है।

प्रवासी और वंचित बच्चों पर विशेष ध्यान

अभियान के दौरान प्रवासी परिवारों के बच्चे, बालिकाएं, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, कामकाजी बच्चे और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को चिन्हित किया जाएगा। ऐसे सभी बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इस बार यह अभियान बेसिक के साथ-साथ माध्यमिक विद्यालयों में भी चलाया जाएगा।

दो चरणों में संचालित होगा अभियान

'स्कूल चलो अभियान' दो चरणों में संचालित किया जाएगा। जबकि दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के दौरान विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और विभिन्न विभागों के सहयोग से अभियान को प्रभावी बनाया जाएगा।

दहेज के लिए विवाहिता को घर से निकाला, पति समेत चार पर मुकदमा

20 लाख रुपये की मांग का आरोप, जलालपुर कोतवाली में दर्ज हुई रिपोर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर के जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। बाजिदपुर निवासी राम सरवन की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता के पिता के अनुसार उनकी बेटी का विवाह 5 जून 2025 को जौनपुर जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र के मलहज गांव निवासी प्रद्युम्न के साथ हुआ था। शादी में स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, 2.5 लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी, फ्रिज, कूलर, वॉशिंग मशीन और बेड सहित अन्य घरेलू सामान दहेज में दिया गया था। परिजनों के अनुसार विवाहिता जब मायके पहुंची तो उसके पास कोई सामान या जेवर नहीं था। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने सभी गहने और सामान अपने पास रख लिया। 18 फरवरी 2026 को परिजन पंचायत के लिए ससुराल पहुंचे, लेकिन आरोपियों ने विवाहिता को रखने से इनकार कर दिया। कोतवाली प्रभारी अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

शहर में जमीन खरीदने के लिए मांगे 20 लाख रुपये

शिकायत में आरोप है कि दहेज से ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था। पति प्रद्युम्न, पिता कैलाश, भाई सनी और मां उर्मिला ने शहर में जमीन खरीदने के लिए अतिरिक्त 20 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। विवाहिता ने असमर्थता जताई तो उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। राम सरवन ने बताया कि 2 अगस्त 2025 की रात करीब 8:20 बजे सभी आरोपियों ने मिलकर उनकी बेटी के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने मायके पहुंची और पूरी घटना परिजनों को बताई।

सम्पादकीय

दुस्साहस में नहीं आई कोई कमी

इस पर तनिक भी आश्चर्य नहीं कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते ऊर्जा आपूर्ति का संकट उभरते ही देश में रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई। यद्यपि सरकार ने इसे रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया, पर लगता नहीं कि इससे जमाखोरों और मुनाफाखोरों के दुस्साहस में कोई कमी आई है। इसका प्रमाण यह है कि उनके खिलाफ छापेमारी के दौरान कई शहरों में रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले पकड़े गए। कई ने दर्जनों रसोई गैस सिलिंडर चोरी-छिपे जमा कर रखे थे। इनमें कुछ नेता और अन्य प्रभावशाली लोग भी हैं। इसी तरह उन मुनाफाखोरों की गिनती करना भी कठिन है, जो महंगे दामों पर रसोई गैस सिलिंडर बेच रहे थे। ऐसे तत्वों की सक्रियता का एक कारण संबंधित अधिकारियों और पुलिस की मिलीभगत भी होती है। वे भी बहती गंगा में हाथ धोने लगते हैं और इस तरह आम जनता एवं सरकार का संकट बढ़ाते हैं। अपने देश में किसी भी संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी बहुत आम है। कोविड महामारी के समय जब सारा देश संकट में था, तब भी कुछ दवाओं के साथ कई आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी देखने को मिली थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अपने यहां कभी प्याज, कभी उर्वरकों तो कभी किसी अन्य वस्तु की जमाखोरी होने लगती है। इसका मकसद मुनाफाखोरी करना ही होता है। ऐसा लगता है कि कुछ लोग सदैव इसकी ताक में रहते हैं कि कब किसी वस्तु के उत्पादन अथवा उसकी आपूर्ति में कमी के आसार दिखें तो वे खुद को जमाखोर में तब्दील कर मुनाफाखोरी करें। आपदा को अपना धंधा बनाने वाले ऐसे लोग सभ्य समाज के शत्रु ही कहे जाएंगे। चूंकि नैतिकता और सदाचार की कमी के चलते जमाखोरी और कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है, इसलिए आवश्यक केवल यह नहीं कि रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी कर रहे लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जाए, बल्कि यह भी है कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों पर जुर्माना लगाने के साथ उन्हें तीन महीने से लेकर सात वर्ष तक की सजा देने का प्रविधान है, लेकिन आखिर कितने ऐसे मुनाफाखोर हैं, जिन्हें सात वर्ष की सजा मिलती है? अधिकतर तो येन-केन-प्रकारेण बिना किसी दंड के छूट जाते हैं या फिर मामूली जुर्माना देकर बच निकलते हैं। उचित यह होगा कि ऐसे लोगों को ऐसी कठोर सजा दी जाए, जो नजीर बने। गंभीर मामलों में जमाखोरों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की जानी चाहिए। इससे ही मुनाफाखोरों के होश ठिकाने आएंगे और वे जमाखोरी से बाज आएंगे।

गैस एजेंसियों द्वारा घरेलू गैस की कालाबाज़ारी

डॉ. उदयराज मिश्र

> यदि गैस वितरण की पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी होने का दावा किया जाता है, तो फिर ऐसी गड़बड़ियाँ कैसे संभव हो रही हैं?

कदाचित घरेलू गैस की देश व्यापी किल्लत और मारामारी को देखते हुए दुष्यंत कुमार की उक्त पंक्तियां त्रासदपूर्ण स्थिति को न केवल चरितार्थ रही हैं,अपितु गैस एजेंसियों के मालिकों,सरकारी खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षकों,प्र-शासनिक अधिकारियों और जमाखोरों के गठजोड़ को भी उजागर कर रही हैं।किंतु दुर्भाग्य से चोर चोर मौसेरे भाइयों के बीच पिस रही आम जनता को इस कृत्रिम किल्लत से कब निजात मिलेगी,इस पर अभी भी संशय बना हुआ है।गौरतलब है कि आज आम नागरिक के लिए घरेलू रसोई गैस का सिलेंडर प्राप्त करना भी किसी संघर्ष से कम नहीं रह गया है। सरकारें भले ही यह दावा करती हों कि देश में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर मिल रहा है, किंतु जमीनी हकीकत कई स्थानों पर इससे भिन्न दिखाई देती है। गैस एजेंसियों के कुछ संचालकों और उनके डिलीवरी तंत्र द्वारा की जाने वाली कालाबाज़ारी के कारण उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि घरेलू गैस की कालाबाज़ारी का एक संगठित तंत्र विकसित हो चुका है। कई स्थानों पर एजेंसी संचालक उपभोक्ताओं के नाम से स्वयं ही गैस बुकिंग कर लेते हैं और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड

भी प्राप्त कर लेते हैं। इसके बाद वही सिलेंडर वास्तविक उपभोक्ता तक पहुँचाने के बजाय खुले बाजार में अधिक कीमत पर बेच दिया जाता है। जब वास्तविक उपभोक्ता सिलेंडर बुक करता है तो उसे या तो बुकिंग में बाधा आती है अथवा यह संदेश मिलता है कि सिलेंडर पहले ही वितरित किया जा चुका है कलाबाज़ारी का दूसरा तरीका यह है कि घरेलू सिलेंडरों को होटल, ढाबों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बेचा जाता है। चूँकि घरेलू सिलेंडर की कीमत व्यावसायिक सिलेंडर से कम होती है, इसलिए अधिक लाभ कमाने के लिए कुछ एजेंसियाँ इन्हें गैर-घरेलू उपयोग में बेच देती हैं। इससे आम उपभोक्ता के हिस्से का सिलेंडर बाजार में गायब हो जाता है और कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके अतिरिक्त कई बार एजेंसियों द्वारा यह भी कहा जाता है कि स्टॉक उपलब्ध नहीं है या सप्लाई कम आई है। इस प्रकार कृत्रिम कमी पैदा कर उपभोक्ताओं को विवश किया जाता है कि वे अधिक मूल्य देकर सिलेंडर प्राप्त करें। कहीं-कहीं कम गैस वाले सिलेंडर की आपूर्ति तथा डिलीवरी चार्ज के नाम पर अतिरिक्त धन वसूलने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। यह स्थिति केवल उपभोक्ता के आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यदि गैस वितरण की पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी होने का दावा किया जाता है, तो फिर ऐसी गड़बड़ियाँ कैसे संभव हो रही हैं? स्पष्ट है कि निगरानी और उत्तरदायित्व की व्यवस्था में कहीं न कहीं ढिलाई है समय की आवश्यकता है कि संबंधित गैस कंपनियाँ और प्रशासनिक अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लें। उपभोक्ताओं की बुकिंग और डिलीवरी की प्रक्रिया की नियमित जांच हो, डिलीवरी के समय ओटीपी या डी ए सी की अनिवार्य पुष्टि हो तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था बनाई जाए। दोषी एजेंसियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई भी आवश्यक है, तभी इस प्रकार की कालाबाज़ारी पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। घरेलू रसोई गैस किसी विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि आम जनजीवन की मूलभूत आवश्यकता है।

आर्थिक आपदा बनता युद्ध, विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा

अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हुए ईरान पर जो हमला किया, वह अमेरिकी कानूनों के हिसाब से भी अवैधानिक है। इस युद्ध के कारण विश्व में गैस और तेल का जो संकट पैदा गया है, उसके समाधान का कोई उपाय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं दिखता। लगता है उन्होंने इस पर कोई विचार ही नहीं किया कि ईरान पर हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति में जो बाधाएं खड़ी होंगी, उनसे कैसे निपटा जाएगा। ईरान इजरायल के साथ खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर भी हमले कर रहा है और उसने होर्मुज समुद्री मार्ग को भी बाधित कर रखा है, जहां से 20-30 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। ईरान ने होर्मुज मार्ग बंद करने और इस चेतावनी के बाद कि दुनिया 200 डालर प्रति बैरल तक तेल खरीदने के लिए तैयार रहे, यह कहा कि यहां से निकलने वाले जहाजों को हमारी नौसेना को सूचित करना होगा, लेकिन जब तक इस मार्ग से गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध ढंग से नहीं होने लगती, तब तक ऊर्जा संकट के समाधान को लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता। चूंकि खाड़ी देश तेल-गैस की आपूर्ति होर्मुज से करते हैं, इसलिए वे ईरान के रवैये पर निर्भर हैं। स्वाभाविक रूप से भारत और चीन जैसे देशों को होर्मुज मार्ग बाधित होने से खासी परेशानी हो रही है, क्योंकि वे अपने ऊर्जा स्रोतों के लिए एक बड़ी हद तक खाड़ी के देशों पर आश्रित हैं। यह राहत की बात है कि भारतीय प्रधानमंत्री की ईरान के राष्ट्रपति और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता के बाद ईरान ने संकेत दिए कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज से आने देगा। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत ने भी भारत को मित्र देश बताते हुए ऐसे ही सकारात्मक संकेत दिए और दो भारतीय जहाजों को इस जल मार्ग से आने की इजाजत मिल भी गई, लेकिन यह अभी साफ नहीं कि भविष्य में सभी भारतीय जहाज होर्मुज से बिना किसी परेशानी के गुजरते रह सकते हैं या नहीं? खाड़ी के देशों में तेल और गैस का उत्पादन प्रभावित होने और वहां से उनकी आपूर्ति बाधित होते ही उनके दाम बढ़ने लगे हैं और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा पैदा हो गया है। यह एक नई आर्थिक आपदा बन रहा है। तेल, गैस, उर्वरकों पर निर्भर तमाम भारतीय उद्योगों के समक्ष भी संकट गहराने लगा है। कुछ तो बंद होने की कगार पर हैं या फिर अपना उत्पादन कम करने को विवश हैं। खाड़ी देशों से तेल और गैस की सप्लाई रुक जाने से भारत समेत विश्व भर में महंगाई बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी पैदा होने का भी खतरा है। इस खतरे के लिए सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ही उत्तरदायी हैं।

■ संजय गुप्त

सुरक्षा परिषद में कुल...

राजेश श्रीवास्तव

कहां हैं संयुक्त राष्ट्र संगठन और सुरक्षा परिषद?

इन दिनों दुनिया एक ऐसे सठियाये और सनकी नेता का सामना कर रही है जिसकी सनक ने चहुओंर आतंक मचा रखा है, चाहे कोई भी देश हो, भले ही सुंदरता और अच्छे वातावरण के लिए जाना जाने वाला दुबई हो या फिर सऊदी अरब। अमेरिका का राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह की सनक हर दिन दिखा रहा है अभी तक टैरिफ का आतंक मचाने वाला यह ट्रंप अब किसी भी देश के राष्ट्रपति को सोते समय पत्नी समेत उठा लेता है तो किसी पर देश पर हमला करके उसके सर्वोच्च नेता को परिवार समेत मार देता है तो किसी देश के उस स्कूल पर बमबारी कर देता है जिसमें २०० बच्चियां पढ़ रही होती हैं। आज इसकी सनक के चलते ही दुनिया के सारे मुल्क परेशान हैं चाहे वह युद्ध में शामिल हों या नहीं, चाहे उनका दूर-दूर तक वास्ता हो या न हो। तो फिर सवाल यह उठता है कि आखिर इस ट्रंप पर कोई नकेल कसने वाला है या नहीं, वह भी तब जब खुद अमेरिकी जनता भी उससे अब त्राहिमाम करने लगी है। ऐसे में बस एक ही नाम याद आता है संयुक्त राष्ट्र संगठन और उसकी सुरक्षा परिषद । ऐसे संकट में उम्मीद की जाती है कि ये हस्तक्षेप और मध्यस्थता करे। युद्ध की आशंका को कम करे या फिर रोकने में प्रभावी भूमिका निभाए, युद्ध की त्रासदी और पीड़ा से मुक्ति दिलाए लेकिन पिछले कुछ सालों में चाहें यूक्रेन-रूस का युद्ध हो या अब ईरान-अमेरिका की हालिया जंग, इनकी भूमिका पर सवाल उठ रहा है। ईरान-अमेरिका संघर्ष से तीसरे महायुद्ध की आशंका के बीच सुरक्षा परिषद मूकदर्शक बनी हुई है। २०२२ से चल

रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष में सुरक्षा परिषद कोई ठोस कार्रवाई करने में असमर्थ रही है, क्योंकि रूस स्वयं इसका स्थाई सदस्य है। हालांकि, सुरक्षा परिषद का मूल उद्देश्य महायुद्धों को रोकना था जिसे उसने शीत युद्ध के दौरान और बाद में कुछ हद तक पूरा किया लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव ने इसकी क्षमता को बहुत सीमित कर दिया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के बढ़ते दायरे के बीच संयुक्त राष्ट्र संगठन और उसकी सुरक्षा परिषद की प्रासंगिकता पर सवाल उठ रहे हैं। किसी भी वैश्विक संकट के समय उम्मीद की जाती है कि यह संगठन हस्तक्षेप और मध्यस्थता करे। युद्ध की आशंका को कम करे या फिर रोकने में प्रभावी भूमिका निभा युद्ध की त्रासदी और पीड़ा से मुक्ति दिलाए लेकिन पिछले कुछ वर्षों में रूस—यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष या ईरान-अमेरिका के ताजा टकराव मामले में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका प्रतीकात्मक ही नजर आती है। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद 1919 में दुनिया के कुछ देशों ने लीग ऑफ नेशन की स्थापना की थी लेकिन यह संगठन दूसरा विश्वयुद्ध रोकने में नाकाम रहा। दूसरे विश्वयुद्ध के घाव काफी गहरे थे। इसमें पहली बार अणु बम का इस्तेमाल हुआ। नागासाकी और हिरोशिमा पर गिराए गए इन बमों से हुई असंख्य मौतों और विकिरण के दुष्परिणामों से समूची मानवता विचलित हो गई थी। इस महायुद्ध की अकथनीय पीड़ा ने सीख-सबक दिया कि विवादों-समस्याओं के निदान के लिए युद्ध नहीं शांति का रास्ता खोजना होगा। सवाल था यह कैसे मुमकिन हो? जरूरत महसूस की गई कि इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली मंच हो। इसी मंशा से 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना की गई थी। संगठन स्थापना की पहल मित्र राष्ट्रों के प्रमुखों ने की थी। 1945 की सैन फ्रांसिस्को कॉन्फ्रेंस में ५० देशों ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे। इस चार्टर के मुख्य उद्देश्यों में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, सदस्य देशों के मध्य सहयोग बढ़ाना, मानवाधिकारों की रक्षा और आर्थिक-सामाजिक विकास को बढ़ावा देना शामिल हैं। संस्था की सबसे महत्वपूर्ण इकाई सुरक्षा परिषद बनाई गई, जिसे युद्ध और शांति के प्रश्नों पर निर्णय लेने की शक्ति दी गई। सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्यों में 5 स्थायी सदस्य हैं बनाए गए, जिन्हें वीटो पावर दी गई। ऐसे पांच देश अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस और चीन को मिली शक्ति का यह परिणाम है कि किसी प्रस्ताव का इनमें एक भी विरोध कर दे तो वह प्रस्ताव पास नहीं हो सकता। दूसरे विश्वयुद्ध के विजेता देशों की संगठन में प्रभावी भूमिका के लिए सौंपी गई यह अतिरिक्त शक्ति आगे चलकर संगठन की कमजोरी का कारण बन गईं। जल्द ही संयुक्त राष्ट्र संघ वीटो प्राप्त महाशक्तियों की राजनीति का मंच बन गया।

जो इस या...

इष्ट देव सांकृत्यायन

गैस की कमी बनाम अधिकता

पता नहीं किन लोगों को भारत में गैस की कमी दिखाई दे रही है। किसी के घर चूल्हा नहीं जल पा रहा तो किसी के होटल में। वह भी उस युग में जबकि मूली बारहमासी हो गई है। भारत के भीतर काम चलाने भर के लिए गैस तो यहीं फेसबुक से पर्याप्त मात्रा में मिल जाएगी। यहाँ इतने बुद्धिजीवी हैं, खासकर साहित्यकार-पत्रकार और विश्वविद्यालय आचार्य वर्ग के बुद्धिजीवी।

आप एक बार किसी अच्छे संदर्भ में नाम भर ले लीजिए भाजपा, संघ, मोदी या योगी का... सऊदी अरब के कुएँ भी भाग खड़े होंगे। कभी इस्लामी आतंकवाद की चर्चा करके देखिए। वही गैस तुरंत पेट्रोल में बदल जाएगी। किताबों के नाम पर इतने पैम्फलेट्स का हवाला दिया जाएगा कि तन-मन तो छोड़िए, आत्मा तक का दाह संस्कार हो जाएगा। थीसिस के नाम पर पैम्फलेट लिखने की जो महान परंपरा अंग्रेजों ने डाली थी, उसे महात्मा जी केचेलों ने तो निभाया ही, अपने को पार्टी विद डिफरेंस कहने वाले डॉक्टर जी के चेले भी पूरी शिद्दत से निभा रहे हैं।

इस पार्टी विद डिफरेंस के लाभार्थी वर्ग के सामने एक बार मोदी की आलोचना करके देख लीजिए।

आपको पता चल जाएगा कि आर्य भले बाहर से न आए हों और चाहे भले ही वेदों का अस्तित्व लाखों साल पुराना हो लेकिन हिंदू तो इस देश में केवल और केवल मोदी के कारण

आया। मोदी के पहले न तो सवर्ण था और न ही हिंदू था। यह तो आप जानते ही हैं कि राम को मोदी लाए। अगर गैस से भी पतला कोई फॉर्म होता हो द्रव्य का तो वह भी शर्म से मिट्टी-मिट्टी ही जाएगा उनके तथ्यरोधी तर्कों के सामने।

जो इस या उस गिरोह में न हो, उसे तो बुद्धिजीवी माना नहीं जा सकता। वो बौद्धिक मजदूर भले हो, बुद्धिजीवी नहीं हो सकता और जो बुद्धिजीवी है, उससे आप कभी तथ्य और तर्क की उम्मीद करके देख लीजिए। उससे भी कम पड़े तो रेडियो का कान उमेठिए और मन की बात सुन लीजिए। तन से चाहे चमड़ी पूरी उधड़ गई हो और अब भीतर हड्डी खुरची जा रही हो पर बातों से ही आपके मन पर इतने कंबल डाल दिए जाएंगे कि आपको अपने अस्तित्व पर संदेह होने लगेगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि मैं कंबल ही हूँ। उसके बाद जो गैस बनेगी... भाई साहब, अकेले आपकी गैस से पूरे देश का काम चल जाएगा।

एआई के उपयोग से खरीदारी, रोजमर्रा का अनुभव बन रहा बेहतर

पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) महज एक चर्चित शब्द नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक से जुड़ी बातचीत का केंद्र बन गया है। हाल ही में आयोजित सीईएस (कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स शो) 2026 यह दिखाता है कि हम कितनी दूर तक पहुंच चुके हैं। अब एआई टीवी और लैपटाप से लेकर घरेलू उपकरणों तक हर श्रेणी का अहम हिस्सा बन चुका है और हर नए संस्करण के साथ ऐसी क्षमताएं सामने ला रहा है, जो रोजमर्रा के अनुभव को वास्तव में बेहतर बनाती हैं। भारत में यह बदलाव एक दिलचस्प रूप ले चुका है। खरीदारी के फैसले लेते समय भारतीय ग्राहक हमेशा से सोच-समझकर और गहन रिसर्च करने वाले रहे हैं। अब एआई उनका

रिसर्च पार्टनर बनता जा रहा है, जो जटिलताओं को आसान करता है, सही विकल्प सामने लाता है और आत्मविश्वास के साथ फैसलों की पुष्टि करता है। आज कोई व्यक्ति जब टीवी खरीदने जाता है, तो वह तकनीकी स्पेसिफिकेशंस की भीड़ में नहीं उलझता और न ही थकाने वाली सेल्स पिच सुनता है। इसके बजाय, वह एक एप पर कुछ आसान सवालों के जवाब देता है- कमरा कितना बड़ा है, आप मुख्य रूप से क्या देखते हैं, जगह कितनी रोशनी वाली है।

जेबा खान

जरा हटके

यह धमकी सिर्फ...

डॉ. घनश्याम बादल

तेल के खेल, गैस का दर्द, सियासत और जंग

दुनिया की बड़ी राजनीति अक्सर आम आदमी की छोटी-छोटी ज़रूरतों पर भारी पड़ती रही है। जब कहीं युद्ध की आहट होती है, तो उसके धमाके केवल सीमाओं पर ही नहीं गूंजते, बल्कि रसोई के चूल्हों, पेट्रोल पंपों और घर के बजट में भी सुनाई देने लगते हैं। इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने एक बार फिर यही सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर वैश्विक ताकतों की जंग का बोझ कब तक साधारण नागरिक उठाता रहेगा। इजरायल, ईरान और अमेरिका के जंग ने दुनिया के सबसे संवेदनशील ऊर्जा मार्ग हरमुज जलडमरूमध्य को संकट के मुहाने पर ला खड़ा किया है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे समुद्री रास्ते से गुज़रता है। यहां से आपूर्ति रुकने या बाधित होने का असर सीधे दुनिया की अर्थव्यवस्था और भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों की जेब पर पड़ रहा है। युद्ध की राजनीति में तेल केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि रणनीतिक हथियार भी बन जाता है। ईरान लंबे समय से यह संकेत देता रहा है कि यदि उस पर सैन्य दबाव बढ़ता है तो वह हरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने जैसे क़दम उठा सकता है। यह धमकी सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी है। दुनिया के तेल बाजार में ज़रा सी हलचल

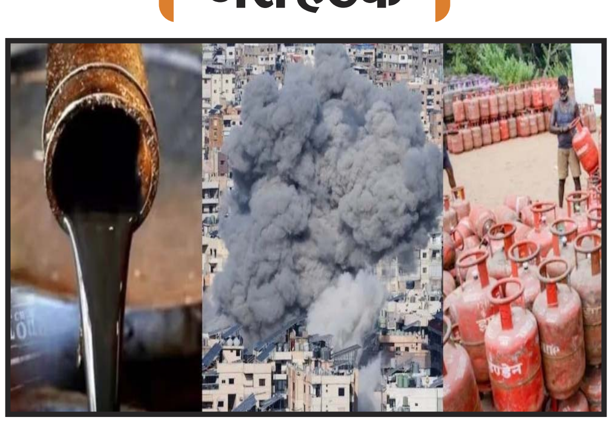

होते ही कीमतें आसमान छूने लगी हैं। इसका मतलब है कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में उछाल, परिवहन महंगा और अंततः हर चीज की कीमत में वृद्धि। यह वही श्रृंखला है जो सीधे आम आदमी के जीवन में आर्थिक दर्द पैदा करती है। भले ही भारत इस युद्ध का हिस्सेदार नहीं है और न ही यह युद्ध भारत और उसकी सीमाओं के आसपास लड़ा जा रहा है लेकिन फिर भी इस युद्ध के प्रभावों की दृष्टि से भारत इस वैश्विक खेल का एक प्रभावित किरदार है, क्योंकि देश अपनी ज़रूरत का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से तेल आयात करके पूरा करता है। पश्चिम एशिया में युद्ध या तनाव की हर ख़बर दिल्ली के नीति निर्माताओं के माथे पर चिंता की लकीरें खींच रही है लेकिन विडंबना यह है कि जहां एक ओर वैश्विक संकट का सामना करने के लिए राष्ट्रीय एकता की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर देश के भीतर सियासी बहस अक्सर आरोप-प्रत्यारोप की आग में उलझ रही है। विपक्ष सरकार से सवाल करता है कि तेल और गैस की बढ़ती कीमतों से जनता को राहत क्यों नहीं दी जा रही। सरकार जवाब देती है कि यह वैश्विक बाजार का असर है और भारत ने जितना संभव है संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष सरकार को गैस एजेंसियों के सामने लगी हुई लंबी-लंबी लाइन दिखाकर सवाल खड़े कर रहा है तो सरकार इसे उसकी क्षुद्र राजनीति बता रही है। सच यह है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियों के साथ खड़े हैं, लेकिन इन बहसों के बीच वह व्यक्ति सबसे ज्यादा परेशान है जो सुबह मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाता है, दोपहर में सब्जी खरीदता है और शाम को सिलेंडर की कीमत का हिसाब लगाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बड़े-बड़े बयान और टीवी स्टूडियो की बहसें उसके जीवन की वास्तविकता को नहीं बदलतीं। उसके लिए जंग का मतलब है महंगाई, और महंगाई का मतलब है रोजमर्रा की ज़रूरतों पर कुठाराघात। इस पूरे परिदृश्य में सबसे दिलचस्प और विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि तेल की वैश्विक राजनीति अक्सर घरेलू सियासत का सबसे सुविधाजनक हथियार बन जाती है। जब कीमतें बढ़ती हैं तो विपक्ष सरकार पर हमला करता है कि उसने टैक्स कम क्यों नहीं किए। जब कीमतें कुछ कम होती हैं तो सरकार इसे अपनी आर्थिक नीति की सफलता बताती है। लेकिन आम आदमी के लिए यह बहस उस पुरानी कहावत जैसी लगती है जिसमें "हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और" होते हैं। उसे तो बस इतना पता है कि उसका बजट लगातार असंतुलित होता जा रहा है। पश्चिम एशिया की जंग केवल तेल तक सीमित नहीं वरन् वैश्विक कूटनीति, वर्चस्व के लिए चल चला दांव, सैन्य गठबंधनों और शक्ति संतुलन की जटिल कहानी भी है। इज़रायल की सुरक्षा चिंताएं, ईरान की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं और अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी- इन तीनों के बीच खिंची रस्साकशी किसी भी क्षण विश्व युद्ध का रूप ले सकती है। यदि ऐसा हुआ तो उसका असर केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। तेल बाजार में उथल-पुथल, समुद्री व्यापार में बाधा और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की लहरें दूर-दूर तक महसूस की जाएंगी। भारत के लिए तो चुनौती दोहरी है। एक ओर उसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, दूसरी ओर घरेलू आर्थिक स्थिरता बनाए रखनी है। सरकार ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, रणनीतिक तेल भंडार और विविध आयात मार्गों की बात ज़रूर की है, लेकिन सच यह भी है कि निकट भविष्य में तेल पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है। यही कारण है कि पश्चिम एशिया में हर संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए झटका बन जाता है।

गोरखपुर से आया था परिवार, एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

गंगा स्नान कर रहे दो भाई डूबे

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में रविवार को गंगा में स्नान कर रहे दो भाई डूब गए। NDRF और जल पुलिस ने एक को बचा लिया है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। परिवार के साथ दोनों गोरखपुर से घूमने आए थे। यह हादसा तुलसीघाट पर हुआ। मृतक की पहचान गोरखपुर के कौड़ीराम के रहने वाले 18 साल के निखिल के रूप में हुई है। जबकि 12 साल के किशोर आयुष की अभी तलाश हो रही है। झंगहा थानाक्षेत्र के रहने वाले आयुष के पिता अनिल ने बताया- हम लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन के पहले गंगा स्नान करने आए थे। बच्चे हमारी आंखों के सामने डूब गए।

मेरा बेटा आयुष गहरे पानी में डूबने लगा तो बहन का बेटा निखिल उसे बचाने गया लेकिन उसका भी पैर फिसल गया।

झंगहा थानाक्षेत्र के डुमरैला के रहने वाले अनिल अपनी पत्नी, बेटे के अलावा बहन, भांजे-भांजी सहित 15 लोग रविवार को वाराणसी पहुंचे थे। बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के पहले रविवार सुबह करीब 7 बजे परिवार गंगा स्नान करने तुलसी घाट पहुंचा था। लेकिन लोगों के मना करने के बाद भी दोनों आगे बढ़े। एक किशोर यह कहते हुए आगे

- परिवार के सामने ही दोनों बच्चे गंगा में डूब गए। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।
- वाराणसी के तुलसीघाट पर बहन के बेटे के डेडबॉडी से लिपटकर रोती मौसी।
- तुलसीघाट पर गंगा में दो युवकों के डूबने की सूचना पर पुलिस और एनडीआरएफ पहुंची।

बढ़ता रहा कि उसे तैरना आता है। इसी बीच आयुष का संतुलन बिगड़ा और वह डूबने लगा। भाई को डूबता देख मौसेरा भाई निखिल उसे बचाने के लिए आगे बढ़ा। देखते ही देखते दोनों डूबने लगे। किशोरों को डूबते देख, परिजन और आसपास मौजूद लोग चिल्लाने लगे। लेकिन दोनों किशोर गहरे पानी में समा गए।

उधर, लोगों की सूचना पर NDRF और जल पुलिस पहुंची। दोनों की तलाश शुरू की गई। करीब एक घंटे बाद एक किशोर निखिल की डेड बॉडी बाहर निकाली गई।

जबकि 12 वर्षीय आयुष की तलाश की जा रही है। गोताखोरों और NDRF की दो टीमें गंगा में युवक की तलाश कर रही हैं। आयुष के पिता अनिल ने बताया- मेरा बेटा आयुष गंगा में नहाते- नहाते आगे बढ़ गया। वह डूबने लगा तो मेरी बहन का लड़का निखिल बचाने के लिए

> अनिल ने बताया- परिवार के लोगों के साथ बेटा आयुष और निखिल भी गंगा में डुबकी लगाने लगे। वे लोग नहाने में व्यस्त हुए तो आयुष नदी की ओर आगे जाने लगा। उसके पीछे निखिल भी था। घाट पर मौजूद लोगों ने दोनों किशोरों को गहरे पानी की ओर जाते देख चिल्लाकर बताया कि आगे नदी गहरी है।

पीछे भागा। लेकिन उसका भी पैर फिसल गया। बच्चे हमारी आंखों के सामने डूबने लगे। हम लोगों को नहाकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जाने वाले थे लेकिन बाबा को कुछ और ही मंजूर था।

ग्राम पंचायत पटलौनी में फूल डोल मेला का भव्य आयोजन

राधा-कृष्ण की सुंदर झांकियों ने श्रद्धालुओं का मोहा मन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के ग्राम पंचायत पटलौनी में पारंपरिक फूल डोल मेला का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान राधा-कृष्ण के दर्शन किए। मेले के दौरान निकाली गई राधा-कृष्ण की आकर्षक और सुंदर झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मेले में विभिन्न झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की लीलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया गया। रंग-बिरंगे फूलों से सजी झांकियों और भजन-कीर्तन के बीच पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। श्रद्धालु जयकारों के साथ झांकियों के दर्शन करते नजर आए। इस अवसर पर मेले में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों और महिलाओं ने भी मेले का भरपूर

आनंद लिया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं। ग्रामवासियों ने बताया कि पटलौनी में फूल डोल मेला हर वर्ष बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाता है, जो क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है। इस दौरान ग्राम पंचायत प्रधान लाखन सिंह, छोटू हलवाई ने गुलाल लगाकर समस्त ग्राम वासियों को शुभकामनाएं दी।

फास्ट न्यूज

बदायूं होटल में प्रेमी जोड़ों की वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

बदायूं। बदायूं के दातागंज में एक होटल में प्रेमी जोड़ों के निजी पलों की वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में होटल मालिक के बेटे और मैनेजर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर ब्लैकमेलिंग और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि होटल में प्रेमी जोड़ों को किराए पर कमरे दिए जाते थे।

बीजेपी महापौर ने बुलडोजर एक्शन पर सवाल उठाए

मुरादाबाद। विपक्ष के बाद अब वेस्ट यूपी से BJP के एक महापौर ने प्रदेश सरकार की बुलडोजर नीति पर सवाल उठाए हैं। मुरादाबाद के भाजपा महापौर विनोद अग्रवाल ने अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को एक पत्र भी भेजा है। दरअसल, मुरादाबाद में 3 दिन पहले प्रशासन ने हाईवे किनारे की करीब 20 बीघा भूमि पर बनी बाउंड्री को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था। मेयर का कहना है कि इसमें से करीब 10 बीघा भूमि उनकी थी। जबकि जिला प्रशासन के मुताबिक ये भूमि सरकारी है और इसे 'मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय' के लिए आरक्षित किया गया है।

पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर सत्याग्रह

ललितपुर। रविवार को बुन्देलखण्ड विकास सेना के कार्यकर्ताओं ने कंपनी बाग के बाहर पृथक बुन्देलखण्ड प्रान्त के निर्माण की मांग को लेकर सत्याग्रह किया।

संगठन प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि पृथक बुन्देलखण्ड प्रान्त के निर्माण के बिना क्षेत्र का विकास संभव नहीं है। सड़कें और पेयजल जैसी समस्याओं का दंश झेल रहा है।

फर्रुखाबाद पुलिस ने डेडबॉडी को खुरचकर उठाया, एक की 2 महीने बाद शादी थी

3 युवकों को डंपर ने रौंदा

- * डंपर ने बाइक सवार तीनों को कुचल दिया। एक युवक का सिर धड़ से अलग हो गया।
- * पुलिस ने तीनों के शवों सड़क से खुरचकर निकाला और थैले में भरकर पोस्टमॉर्टम को भेजा।
- * बाइक को टक्कर मारने के बाद डंपर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। जिले में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक डंपर में फंसकर करीब 20 मीटर तक सड़क पर घिसटते रहे। हादसे के बाद डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकराया और पास की दुकान में जा घुसा। हादसा नवाबगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात करीब 12:30 बजे हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बाइक सवार युवक सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तीनों युवक डंपर के नीचे फंस गए और कुछ दूरी तक घिसटते चले गए। हादसा इतना भयावह था कि एक युवक

> नवाबगंज थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया- डंपर चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तरफ से तहरीर ले ली गई है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि तीनों के शव सड़क से चिपक गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को सड़क से खुरचकर थैली में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

मृतकों की पहचान नयागांव निवासी पुष्पेंद्र (20), अर्पित (18) और निशु यादव (15) के रूप में हुई है। तीनों आपस में रिश्तेदार थे। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 8 बजे तीनों युवक खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन वहां न जाकर अर्पित के मामा के घर जाने के लिए फर्रुखाबाद की ओर निकल पड़े। इसी दौरान रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। परिजनों के मुताबिक अर्पित की शादी दो महीने बाद 5 मई को फर्रुखाबाद के जहानगंज

थाना क्षेत्र की एक युवती से होने वाली थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। अर्पित घर का इकलौता बेटा था, जबकि उसकी दो बहनों कंचन और छोटी की पहले ही शादी हो चुकी है।

हादसे की खबर मिलते ही रविवार सुबह अर्पित के चाचा सुनील पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने बताया कि निशु और अर्पित आपस में चचेरे भाई थे, जबकि पुष्पेंद्र भी परिवार का ही सदस्य था। निशु और अर्पित के पिता दिल्ली में नौकरी करते हैं। घटना के बाद अर्पित की मां ओमा देवी और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

27 ग्राम प्रहरी (चौकीदार) नियुक्ति, जिलाधिकारी ने जारी किए आदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की संस्तुति पर ग्राम प्रहरी (ग्राम चौकीदार) के रिक्त पदों पर 27 लोगों की नियुक्ति की है। यह नियुक्तियां उत्तर प्रदेश पुलिस रेगुलेशन एक्ट के पैरा-96 (1) तथा संयुक्त प्रांत उत्तरी-पश्चिमी ग्राम व सड़क अधिनियम, 1873 की धारा 3 से 6 में प्रदत्त अधिकारों के तहत की गई हैं।

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रहरी नियुक्त किए गए हैं। इनमें ग्राम पंचायत स्यारा में अशोक सिंह, बिलौडा में ईशपाल, हाथिया में बुगल सिंह, उझानी में परमानन्द, हुसैनी में सीताराम, भगौसा में शिव सिंह, पुरा में पूरन सिंह, देवसेरस में आरिफ, जगदीशपुर में यशवेन्द्र सिंह और शिवाल में मुरारी को ग्राम प्रहरी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार तेहरा मांट में राकेश,

आन्यौर में छैलू, सकरवा में पप्पू, बदनगढ़ लौहरवारी में गंगाराम, गुडेरा में ओमप्रकाश, थोक कमल में वीरेन्द्र, चौकीपुरा कलां में विष्णु बाल्मीकि, गांजोली में मुकेश कुमार बाल्मीकि, सरूरपुर में लक्ष्मण बाल्मीकि, गढ़ीरामवल में हरेंद्र पाल सिंह तथा ओल में ओमप्रकाश को नियुक्ति दी गई है।

इसके अलावा रायपुर बांगर में वीरेन्द्र सिंह, आंगई में प्रवीण कुमार, सराय सालवाहन में प्रीति देवी, महरौली में सुक्कन, मिरताना में जितेन्द्र कुमार तथा जावरा में विजयपाल को ग्राम प्रहरी (ग्राम चौकीदार) के पद पर नियुक्त किया गया है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी नवनियुक्त ग्राम प्रहरियों को उनके कार्यों एवं दायित्वों की जानकारी देते हुए ग्राम स्तर पर सुरक्षा एवं सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए।

सपा ने मनाई कांशीराम जयंती

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। बहुजन आंदोलन के प्रणेता Kanshi Ram की 92वीं जयंती के अवसर पर रविवार को गाजीपुर के सरजू पांडे पार्क में समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक न्याय के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई से परेशान है और घरेलू गैस के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और आम लोगों

को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम में लाल बिहारी यादव के अलावा सदर विधायक जै किशन साहू, मोहम्मदाबाद विधायक सोहेब अंसारी (मन्नू), सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव और पूर्व मंत्री सैय्यदा शादाब फातिमा सहित बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी नेताओं ने कांशीराम को सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक बताते हुए उनके संघर्षों और विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। मीडिया से बातचीत में लाल बिहारी यादव ने कहा कि कांशीराम केवल किसी एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक बदलाव के बड़े प्रतीक थे।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उनकी जयंती पूरे सम्मान के साथ मना रहे हैं। बसपा द्वारा भी जयंती मनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि चूंकि कांशीराम बसपा के संस्थापक थे, इसलिए उनका जयंती मनाना स्वाभाविक है, लेकिन ऐसे महान व्यक्तित्व को हर दल और हर समाज को याद करना चाहिए। मीडिया से बातचीत में लाल बिहारी यादव ने कहा कि कांशीराम केवल किसी एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक बदलाव के बड़े प्रतीक थे। वहीं यूपीएसआई भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में एक विकल्प में "पंडित" शब्द के इस्तेमाल को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें फिलहाल इस मामले की जानकारी नहीं है।

3 मई को गोरखपुर से होगी शुरुआत, कहा- चतुरंगिणी सेना को करेंगे तैयार

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अब 81 दिन की निकालेंगे गविष्ठि यात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। गौ संरक्षण के मुद्दे को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने एक बड़ी यात्रा का ऐलान किया है। इस यात्रा को 'गविष्ठि यात्रा' नाम दिया गया है, जो 3 मई से शुरू होकर 23 जुलाई तक कुल 81 दिनों तक चलेगी। शंकराचार्य ने बताया कि यह यात्रा गोरखपुर से शुरू होकर पूरे उत्तर प्रदेश की परिक्रमा करेगी और अंत में फिर से गोरखपुर में ही समाप्त होगी। यात्रा के दौरान वे गौ रक्षा, सनातन धर्म और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है। ऐसे में समाज के सभी वर्गों को गौ रक्षा और उसके

संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए। 'गविष्ठि यात्रा' का उद्देश्य लोगों को इस विषय के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक संदेश देना है। यात्रा के दौरान साधु-संतों, धर्माचार्यों और श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आयोजकों के अनुसार विभिन्न जिलों में यात्रा के स्वागत और जनसभाओं की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। यह यात्रा धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश के साथ पूरे प्रदेश में जनजागरण अभियान के रूप में आयोजित की जाएगी।

> शंकराचार्य ने कहा- गौ मां की रक्षा के लिए नागा साधुओं की सेना की तर्ज पर 'चतुरंगिणी' संगठन का निर्माण किया जाएगा। उनका कहना है कि यह संगठन धर्म, गौ रक्षा और समाज के हितों की रक्षा के लिए कार्य करेगा।

24 जुलाई को लखनऊ में होगा बड़ा जुटान

शंकराचार्य के कहा - यात्रा समाप्त होने के बाद 24 जुलाई को लखनऊ में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि बरसात का मौसम होने के बावजूद लोग बरसाती पहनकर भी सभा में खड़े रहेंगे, लेकिन कार्यक्रम जरूर होगा। इस सभा में यात्रा के दौरान उठाए गए मुद्दों और आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

गौ रक्षा को लेकर जनजागरण

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गाय की रक्षा और संवर्धन के लिए समाज को जागरूक करना है। उनके अनुसार, गाय भारतीय संस्कृति और धर्म का महत्वपूर्ण आधार है और उसकी रक्षा के लिए समाज को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों और कस्बों में सभाएँ आयोजित की जाएंगी।

वारदात : गोरखपुर में हंसिए से गला काटा, पत्नी से झूठी कहानी गढ़वाई

बेटी मोबाइल पर बात करती थी, पिता ने मार डाला

- आरोपी पिता कमलेश भारती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। 'मेरी बेटी किसी लड़के से मोबाइल पर बात करती थी। मना करने पर भी नहीं मान रही थी। 13 मार्च को भी मैंने उसे मोबाइल पर बात करते देखा। जब डांटा तो जवाब देने लगी। मैंने उसे एक थप्पड़ मार दिया। तभी बेटी ने भी हाथ उठा दिया। ये मैं बर्दाश्त नहीं कर पाया। तुरंत कमरे में रखी हंसिया लेकर आया और उस पर करीब 8 से 10 वार किए। खून से लथपथ हो गई तो मैं घबरा गया। पत्नी के साथ उसे मेडिकल कालेज

नेहा भारती, मृतक

लेकर आया, लेकिन बेटी ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मैंने पत्नी के साथ मिलकर झूठी कहानी गढ़ी।' ये बातें गोरखपुर में 23 साल की बेटी की हत्या के आरोपी पिता कमलेश भारती ने कबूल की। उसने बताया कि बेटी नेहा भारती हंसिया पर गिरी नहीं थी, मैंने उसकी हत्या की थी। इसे हादसा साबित करने की कोशिश कर रहा था। मामला पिपराइच थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, 13 मार्च (शुक्रवार) को गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र की रहने वाली नेहा भारती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। हंसिया से उसका गला कट गया था।

> इस संबंध में सीओ चौरीचौरा रत्नेश्वर सिंह ने बताया- पूछताछ में आरोपी पिता ने जुर्म कबूल कर लिया है। उसकी निशानदेही पर हंसिया बरामद कर ली गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोर्ट में पेशी की तैयारी की जा रही है।

पुलिस को शक कैसे हुआ?

दरअसल, घटना के बाद गांव में नेहा की हत्या के चर्चाएं होने लगीं। दबी जुबान से हर कोई यही कह रहा था कि पिता ने ही बेटी को मारा है। लेकिन, परिजन कुछ और ही कहानी सुना रहे थे। जब पुलिस तक यह बात पहुंची तो छानबीन शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ में बाप-बेटी के रिश्तों में तल्खी की बात सामने आई। नेहा की गर्दन पर मिले हंसिए के निशान कुछ और ही कहानी बयां कर रहे थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अगर वह हंसिए पर खुद गिरी होती तो घाव गहरे होते। लेकिन, शव देखकर लग रहा था कि गर्दन पर कई वार किए गए थे। कमलेश की 2 बेटियां और 2 बेटे हैं। इनमें नेहा दूसरे नंबर पर थी।

> हालांकि, नेहा की हालत देखकर पुलिस को शक हुआ। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर मामला और उलझ गया। पुलिस ने मामला संदिग्ध मानकर नेहा की लाश कब्जे में ले ली। 14 मार्च को पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया।

डीआईजी ने यूपी एसआई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

दूसरे दिन 8160 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, व्यवस्थाओं का जायजा लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2025 के दूसरे दिन रविवार को 11 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल 8160 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन की परीक्षा को मिलाकर अब तक 16320 परीक्षार्थी शामिल हो चुके हैं। परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए वाराणसी परिक्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्णा और गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक ने कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने अभ्यर्थियों की सघन जांच, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, प्रवेश द्वार पर सुरक्षा प्रबंध और तैनात पुलिस बल की स्थिति का जायजा

लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकल-विहीन होनी चाहिए। किसी भी अनुचित गतिविधि या अव्यवस्था पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर अभ्यर्थियों की आवाजाही के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की गई है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी, स्वाट और सर्विलांस टीमें भी सक्रिय की गई हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी गड़बड़ी को रोका जा सके।

खाना नहीं दिया तो सौतेली मां को मार डाला

संभल में सिर पर हथौड़े से किए ताबड़तोड़ वार, आरोपी बेटा गिरफ्तार

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में युवक ने अपनी सौतेली मां के सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला। वह खाना देर से मिलने से नाराज था। चीखने की आवाज सुनकर जब पिता किचन में पहुंचे तो महिला जमीन पर पड़ी तड़प रही थी। चारों ओर खून बिखरा पड़ा था। पास ही हथौड़ा पड़ा हुआ था। अस्पताल ले जाने के पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। शनिवार देर रात की यह वारदात जिला मुख्यालय से महज 700 मीटर दूर बहजोई कस्बा क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित दुर्गा कॉलोनी की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ

FIR दर्ज कर ली है। पुलिस हिरासत में बेटे ने पूछताछ में बताया- उसने सौतेली मां से खाना मांगा था। देर होने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में उसने हत्या कर दी।

बहजोई थाना क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित नई बस्ती (दुर्गा कॉलोनी) में मुरादी अपनी दूसरी पत्नी शमीम बानो के साथ रहते हैं। मुरादी की पहली पत्नी के बच्चे भी उनके साथ रहते हैं। घर में दूसरी पत्नी शमीम बानो को लेकर आए दिन झगड़ा होता रहता है। पूछताछ में बेटे ने बताया- वह शनिवार रात 8 बजे ड्यूटी से लौटा था। उसने दो बार खाना मांगा, पर काम में व्यस्त होने के कारण शमीम बानो ने नहीं सुना। रात करीब 9 बजे वह चिल्लाते हुए किचन में गया। खाना मांगने लगा। शमीम बानो ने कुछ देर रुकने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। आतिफ ने आवेश में आकर घर में पड़े हथौड़े से शमीम बानो के सिर पर वार कर दिया। ताबड़तोड़ वार से शमीम जमीन पर गिर पड़ी। सिर फटने से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर मुरीद किचन में पहुंचे तो शमीम बानो का शव जमीन पर पड़ा देखा। मुरीद की सूचना पर रात करीब 12 बजे बहजोई थाना प्रभारी संत कुमार पुलिस फोर्स और फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शमीम बानो के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। खून से सना हथौड़ा बरामद किया। मुरीद की तहरीर पर आतिफ के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार किया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

- पुलिस मौके पर पहुंची तो शमीम बानो का लहूलुहान शव किचन में पड़ा था।
- पड़ोसियों की मदद से शव को चादर में लपेट कर मकान से बाहर निकाला गया।

12 साल पहले की थी शमीम बानो से दूसरी शादी की थी

मुरादी ने बताया- वह लकड़ी का कारोबार करते हैं। आरोपी बेटा आतिफ भी काम में साथ हाथ बंटाता है। उन्होंने बताया- उनकी पहली पत्नी की 13 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी।

पहली पत्नी से एक बेटी और दो बेटे हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। शमीम बानो ने कुछ देर रुकने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

पुलिस ने आरोपी बेटे आतिफ को गिरफ्तार कर लिया है।

> मुरादी ने बताया- वे शनिवार रात नमाज पढ़ने गए हुए थे। रात करीब 11 बजे लौटे तो देखा किचेन में पत्नी शमीम बानो की लहूलुहान लाश पड़ी हुई थी। पूछताछ के दौरान पड़ोसियों से पता चला कि खाना न परोसने को लेकर छोटे बेटे आतिफ उर्फ आदिफ (20) ने ही उनकी पत्नी की सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या कर दी थी।

भागवत कथा में नंदोत्सव की धूम, जमकर थिरके श्रद्धालु

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। कस्बा स्थित रीढ़ा मोहल्ला में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव और नंदोत्सव का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि कंस के अत्याचारों से पृथ्वी को मुक्त कराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के आठवें पुत्र के रूप में जन्म लिया। कथा स्थल पर नंदोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें भक्तजन भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। इस दौरान भगवान के बाल रूप की सजीव झांकी सजाई गई थी। भगवान के जन्म पर बधाई गीत भी गाए गए। पूरे समय श्रद्धालु भजनों पर झूमते रहे। इस अवसर पर परीक्षित श्याम सुन्दर अग्रवाल,रेखा अग्रवाल,अमन अग्रवाल,रवेंद्र सिंह,उमेश अग्रवाल,पूर्व ब्लॉक प्रमुख यतेंद्र सिकरवार,चंद्रभान प्रधान,विनय अग्रवाल,अखिलेश पाठक,अवधेश दुबे,रिंकू सोनी, हरिओम सेठ,देवकीनंदन ,हरिमोहन , विनोद कुमार,बांकेलाल,रवि अग्रवाल,देव अग्रवाल,सतेंद्र ,संजीव अग्रवाल,योगेंद्र आचार्य,धीरज आचार्य,बच्चू सिंह,पवन गोयल,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

16 हजार असाक्षरों ने दी साक्षरता की परीक्षा

देवरिया। देवरिया में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को साक्षरता परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 15 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के लगभग 16 हजार असाक्षरों ने भाग लिया। यह परीक्षा जिले के करीब 650 केंद्रों पर संपन्न हुई। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य असाक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाकर उन्हें औपचारिक मान्यता प्रदान करना है। सफल प्रतिभागियों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) द्वारा साक्षरता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

मकान मालिक पर जानलेवा हमला

सहारनपुर। सहारनपुर के थाना जनकपुरी क्षेत्र के चकहरेटी गांव में एक मकान मालिक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। किरायेदार के परिजनों पर हमले का आरोप लगा है। गंभीर रूप से घायल मकान मालिक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ धारा 307 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार घटना 10 मार्च की है। चकहरेटी गांव निवासी जगत सिंह अपने कार्यालय जा रहे थे। जैसे ही वे ट्रांसपोर्ट नगर के पास पहुंचे।

भारत-नेपाल सीमा बैठक आयोजित

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी के दुधवा टाइगर रिजर्व की गौरीफंटा रेंज में रविवार को भारत-नेपाल सीमा से जुड़े वन अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। उपनिदेशक जगदीश आर ने बैठक की अध्यक्षता की। इसमें नेपाल के वन विभाग, एसएसबी, डब्ल्यूडब्ल्यू-एफ और दुधवा टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पुलिस भर्ती परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा और नकल कराने की साजिश रचने वाले एक गिरोह का एसटीएफ ने पर्दाफाश किया है। एसटीएफ मेरठ की फील्ड यूनिट ने शनिवार रात थाना राया क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर ब्लूटूथ डिवाइस के जरिए परीक्षा पास कराने का लालच दे रहा था।

एसटीएफ मेरठ यूनिट के उपनिरीक्षक संजय कुमार को सर्विलांस और मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि ग्राम हवेली निवासी अनुज कुमार कस्बा राया में अभ्यर्थियों से ठगी करने और परीक्षा में नकल कराने के उद्देश्य से अपने साथी से मिलने आने वाला है। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने बलदेव रोड स्थित रजनी लाइब्रेरी के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में

आरोपी अनुज कुमार ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि वह गोपाल रावत नामक व्यक्ति के संपर्क में था। गोपाल रावत अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने के नाम पर प्रति अभ्यर्थी 22 लाख रुपये लेने की बात करता था। योजना के तहत परीक्षा से पहले 3 लाख रुपये लिए जाते थे, जबकि परीक्षा के बाद 5 लाख रुपये, अभ्यर्थी के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, ब्लैंक चेक और शपथ पत्र भी लिए जाने की बात सामने आई है।

आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि उनका प्लान परीक्षा केंद्र पर ब्लूटूथ डिवाइस उपलब्ध कराकर बाहर से पेपर हल करवाने का था, ताकि अभ्यर्थियों को नकल कराकर पास कराया जा सके। एसटीएफ ने आरोपी के पास से वन प्लस कंपनी का एक स्मार्टफोन बरामद किया है, जिसमें अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, व्हाट्सएप चैट और अन्य परीक्षाओं के कुल छह एडमिट कार्ड मिले हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप पर आठ महत्वपूर्ण चैट और लेनदेन से जुड़े विवरण भी बरामद किए गए हैं।

इस मामले में थाना राया में आरोपी अनुज कुमार, गोपाल रावत और उनके अन्य अज्ञात साथियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अध्यादेश 2024 की धारा 11(6), 11(7) तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 338, 336(3) और 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुख्य आरोपी गोपाल रावत फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

मिर्जापुर में जादू-टोना समझ मंदिर ले गए पिता, लोगों ने अस्पताल पहुंचाया

कुत्ता काटने के 4 महीने बाद भौंकने लगा लड़का

- मंदिर में लोगों को देखकर भी लड़का डर रहा था। वह बार-बार भूत-भूत कहकर भी सहम जा रहा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर। मिर्जापुर में कुत्ता काटने के 4 महीने बाद 17 साल का लड़का भौंकने लगा। परिवार को लगा कि किसी ने जादू-टोना कर दिया है। वे लोग 14 मार्च (शनिवार) की शाम बच्चे को लेकर मंदिर के पुजारी के पास पहुंच गए। भीड़ देखते ही लड़का जोर-जोर से भौंकने लगा और भूत-भूत चिल्लाने लगा। उसके मुंह से लार टपकने

लगी। यह देखकर आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने झाड़-फूंक की बजाय डॉक्टर के पास ले जाने की सलाह दी। फिर डायल-108 पर फोन कर एंबुलेंस बुलाई गई। लड़के को अस्पताल भेजा गया। स्थानीय अस्पताल के डॉक्टर ने रेबीज की आशंका को देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने बताया- बच्चे को रेबीज के 2 इंजेक्शन लगे थे, लेकिन परिवार वालों ने तीसरा इंजेक्शन नहीं लगवाया था। कोर्स पूरा नहीं होने से वह रेबीज का शिकार हो गया। पूरा मामला कछवां थाना क्षेत्र का है। जमुआ चौराहे के पास श्रीराम-जानकी मंदिर है। शनिवार शाम जोगीपुरवा के गुरु नानक अपने छोटे भाई को गोद में लेकर झाड़-फूंक कराने पहुंचे। साथ में उनके पिता भाईलाल भी थे। पिता ने लोगों के पूछने पर बताया- 4 महीने पहले बेटा अपनी ननिहाल गया था। वहां उसे कुत्ते ने काट लिया था।

6 भाई-बहनों में सबसे छोटा है

पिता भाईलाल ने बताया- मेरी पत्नी की मौत हो चुकी है। मुझे भी 4 साल पहले लकवा मार दिया था। तभी से बड़ा बेटा नानक मोबाइल रिपेयरिंग और टाइल्स लगाकर परिवार का पालन-पोषण करता है। यह बेटा 3 भाई और 3 बहनों में सबसे छोटा है। वह गांव की एक चाय की दुकान में काम करता था। मंझला बेटा मानसिक रूप से बीमार है। तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है।

मंदिर में भीड़ देखकर उसकी हालत और बिगड़ गई। बच्चे की हालत देखकर स्थानीय निवासी बद्री सिंह ने 108 नंबर पर फोन कर एंबुलेंस बुलाई। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछवां भेजा गया।

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने जारी किया निर्देश, आज एग्जाम का दूसरा दिन

दरोगा भर्ती परीक्षा : कलावा और मंगलसूत्र नहीं उतारे जाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी में आज से दरोगा भर्ती की परीक्षा का दूसरा दिन है। वहीं पहले दिन अभ्यर्थियों के कलावा काटने और मंगलसूत्र निकालने पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने निर्देश जारी किए हैं। भर्ती बोर्ड ने कहा- किसी भी अभ्यर्थी के धारण किए गए धार्मिक सांस्कृतिक चिह्नों जैसे कलावा, मंगलसूत्र आदि को न तो हटवाया जाएगा ना ही उतारने का प्रयास किया जाएगा। अगर ऐसा कोई मामला आता है तो दोषी कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसे प्रकरण न घटित हों । वहीं रविवार को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले उम्मीदवारों की 3 लेयर में चेकिंग की जा रही है। परीक्षार्थियों को सिर्फ प्रवेश पत्र और

वाराणसी डीआईजी शिव हरि मीणा ने कहा- 46 केंद्रों पर परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा केंद्र के बाहर 100 मीटर के दायरे में फोटोकॉपी की दुकानें बंद करा दी गई हैं। पुलिस अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

आईडी के साथ ही अंदर जाने दिया जा रहा। ड्यूटी पर लगे पुलिसवालों के फोन भी जमा करा लिए गए। CCTV से चप्पे-चप्पे की मॉनिटरिंग हो रही है। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (UPPBB) ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1090 सेंटर बनाए हैं। इस भर्ती के जरिए कुल 4,543 पदों पर नियुक्ति होगी। भर्ती के लिए 15,75,760 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 11,66,386 पुरुष और 4,09,374 महिलाएं हैं। पहले दिन यानी शनिवार को प्रदेश भर के कुल 1,090 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया था।

3 टेलीग्राम चैनलों पर एफआईआर

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के डीआईजी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि टेलीग्राम पर फर्जी प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए जाने का दावा करने के मामले में अब तक 7 एफआईआर दर्ज कराई गई है। इनमें शुक्रवार को चार और शनिवार को दो एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

परीक्षा केंद्र पर एंट्री से पहले जूते-मोजे उतरवाए गए

आगरा में दूसरे दिन भी दोनों पालियों में 28 केंद्रों पर 23520 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक पाली 11760 अभ्यर्थी हैं।

पहली पाली के लिए सभी केंद्रों में अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे से कड़ी चेकिंग के बाद एंट्री दी जा रही है।अभ्यर्थियों के जूते मौजे तक उतरवाए जा रहे हैं।

‘उद्धभव-2026’ में मनिंदर बुट्टर की संगीतमय शाम

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के वार्षिकोत्सव में पंजाबी सिंगर मनिंदर बुट्टर की प्रस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव टेक्नो-कल्चर फेस्ट ‘उद्धभव-2026’ की संगीतमय संध्या उस समय यादगार बन गई, जब मशहूर पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर ने अपने लोकप्रिय गीतों से माहौल को जोश और उत्साह से भर दिया। उनके गीतों पर छात्र-छात्राएं देर रात तक झूमते रहे और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत मनिंदर बुट्टर ने अपने चर्चित गीत ‘गल्ल गोरीए’ और ‘इक तेरा’ से की। जैसे ही सुरों की धुन गूंजी, विद्यार्थियों ने तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने ‘पानी दी गल’, ‘लारे’, ‘सखियां’, ‘तेरी मेरी लड़ाई’, ‘वियाह’ और ‘जमिला’ जैसे

लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी, जिन पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम के दौरान “वंस मोर” की गूंज लगातार सुनाई देती रही, जिससे माहौल और भी ऊर्जावान हो गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनभर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकारों पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एसिड अटैक, दुष्कर्म, कन्या भ्रूण हत्या और वृद्धाश्रम जैसे गंभीर विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया। इन प्रस्तुतियों को दर्शकों और अतिथियों की ओर से खूब सराहना मिली। आयोजन के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक प्रो. डॉ. अनिल कुमार सोलंकी, डीन एकेडेमिक्स डॉ. अमित जैन और डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. डॉ. मीनाक्षी शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

6 राज्यों की 8 ...

वहीं, BJP अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी। इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी BJP ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता।

यूएई टर्मिनल पर ...

इस दौरान भारतीय झंडे वाला जहाज 'जग लाड़की' वहां तेल भर रहा था। जहाज पर मौजूद सभी भारतीय स्टॉफ सुरक्षित हैं। जहाज ने लगभग 80,800 मीट्रिक टन क्रूड ऑयल लोड किया और अब सुरक्षित रूप से भारत की ओर रवाना हो गया है। वहीं, ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। ईरान के खार्ग आइलैंड पर अमेरिकी हमले के बाद भी तेल टैंकरों में तेल भरने का काम जारी है। अल जजीरा के मुताबिक वहां एक टैंकर को तेल लोड करते हुए देखा गया है। जहाजों की गतिविधि पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक इलाके में और भी कई टैंकर खड़े हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा है कि 5 टैंकर पहले ही फ्यूल ऑयल भर चुके हैं और 2 टैंकर अभी तेल भरने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टैंकर किस देश या कंपनी के हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मिसाइल के टुकड़े गिरने से उस इमारत को नुकसान पहुंचा है, जहां अमेरिकी डिप्लोमेट काम करते हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि यह इमारत किस शहर में है। इजराइल में अमेरिका का दूतावास यरुशलम में है और तेल अवीव में भी उसका एक बड़ा दफ्तर है। इराक में ऑयल एक्सपोर्ट दोबारा शुरू करने को लेकर सरकार के अलग-अलग विभागों में मतभेद सामने आए हैं। इराक के तेल मंत्रालय ने कहा है कि ऑयल एक्सपोर्ट फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, लेकिन कुर्द क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने फिलहाल इससे इनकार कर दिया है। तेल मंत्रालय के मुताबिक, क्षेत्र से तुर्किये के बंदरगाह जेहान तक जाने वाली पाइपलाइन के जरिए रोज करीब 3 लाख बैरल तेल भेजा जा सकता है। इसके अलावा पहले से चल रहे तेल क्षेत्रों से करीब 2 लाख बैरल तेल रोजाना एक्सपोर्ट किया जा सकता है। हालांकि प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने कुछ शर्तें रखते हुए अभी निर्यात शुरू करने से मना कर दिया है। इस पर तेल मंत्रालय ने कहा कि शर्तों पर बाद में बात की जा सकती है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान से बचाने के लिए निर्यात जल्द शुरू होना जरूरी है।जयशंकर ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच शनिवार को सऊदी अरब और UAE के विदेश मंत्रियों से बातचीत की। उन्होंने मिडिल ईस्ट की बदलती स्थिति और वहां के हालात पर चर्चा की। ईरान ने रविवार को इस जंग में पहली बार इजराइल पर ‘सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल’ दागी। इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि इजराइल के सैन्य और डिफेंस फैसिलिटी को निशाना बनाया गया है। यह सॉलिड फ्लूय वाली स्ट्रैटेजिक मिसाइल है, जो 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। यह महत्वपूर्ण सैन्य और कमांड सेंटर्स पर सटीक हमला कर सकती है।

केजरीवाल....

कि ट्रायल कोर्ट का फैसला ED की मनी लॉन्ड्रिंग जांच को प्रभावित न करे। हाईकोर्ट ने एक्साइज पॉलिसी केस की जांच करने वाले CBI ऑफिसर के खिलाफ डिपार्टमेंटल एक्शन लेने के ट्रायल कोर्ट के ऑर्डर पर रोक लगा दी है। पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको डिस्चार्ज कर दिया। हम हमेशा कहते थे कि हमें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं जज साहब का बहुत-बहुत शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमारे साथ न्याय किया। सत्य की जीत हुई। भगवान हमारे साथ है। मोदी जी और अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए हमारी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया। हमारे ऊपर कीचड़ फेंका गया। 24 घंटे टीवी चैनलों पर डिबेट चलती थी, आज देश के सामने कितनी बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई है, बेरोजगारी है, पूरे देश में सड़कें टूटी पड़ी हैं, चारों तरफ पॉल्यूशन ही पॉल्यूशन है, चारों तरफ देश में इतनी समस्याएं हैं उनका समाधान करके सत्ता में आइए न। केजरीवाल पर आम आदमी पर्टी पर झूठे केस क्यों करते हैं। अच्छा काम करके सत्ता में आइए। इस तरह के झूठे केस करना और चौबीस घंटे विपक्षियों पर ऊटपटांग झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। इससे देश आगे नहीं बढ़ता। देश तब आगे बढ़ेगा, जब जनता की समस्यों का समाधान किया जाएगा। नायर ने ही शराब नीति में फायदा देने के बदले में साउथ ग्रुप के लोगों से 100 करोड़ वसूले थे। दो अन्य आरोपियों- विनोद चौहान और आशीष माथुर के माध्यम से इन पैसों को गोवा भेजा गया। केजरीवाल के निर्देश पर इस 100 करोड़ की रकम में से 44.5 करोड़ कैश गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया या। इसलिए केजरीवाल चुनाव के दौरान गलत तरीके से कमाए पैसों का इस्तेमाल करने के भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि इसका फायदा आम आदमी पार्टी को ही मिला है। पब्लिक सर्वेंट्स और साजिश में शामिल अन्य आरोपियों को आर्थिक लाभ मिला, लेकिन सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

पुजारियों- मुअज्जिनों...

राज्य में दो फेज 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा। ममता ने लिखा कि हम ऐसा माहौल बनाने पर गर्व करते हैं, जहां हर समुदाय और परम्परा को महत्व दिया जाता है और मजबूत किया जाता है। हमारा प्रयास है कि हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के संरक्षकों को उचित सम्मान और समर्थन मिले। सीएम ममता ने ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनरों से किया गया वादा पूरा करते हुए ROPA 2009 के तहत महंगाई भत्ते (DA) के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, राज्य सरकार के कर्मचारी और पेंशनर, शैक्षणिक संस्थानों के लाखों शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारी, साथ ही पंचायत, नगरपालिकाओं और अन्य स्थानीय निकायों जैसे अनुदानित संस्थानों के कर्मचारी और पेंशनर को इस फैसला का लाभा मिलेगा। उन्होंने बताया कि ROPA 2009 के DA का बकाया भुगतान मार्च 2026 से शुरू होगा। इसके लिए राज्य के वित्त विभाग की ओर से विस्तृत अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं, जिनमें भुगतान की प्रक्रिया और नियम तय किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 1 मार्च को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हुई थी। इसमें वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7,04,59,284 रह गए हैं। यानी SIR से अब तक 63.66 लाख नाम हटे हैं, जो कुल मतदाताओं का 8.3% है। दिसंबर में जारी मसौदा सूची में 58 लाख से अधिक नाम हटे थे। CEO ने कहा- 60 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम की जांच अभी भी जारी है। हालांकि उन्हें नई वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है। बाद में इन नामों पर फैसले के बाद लिस्ट में बदलाव हो सकता है। 2021 चुनाव में 294 में 166 सीटों पर जीत का अंतर 25 हजार से कम था। इनमें टीएमसी ने 102, भाजपा ने 64 सीटें जीती थीं। 5,000 से कम अंतर वाली 36 सीटों में भाजपा 22, टीएमसी 13 जीती। ऐसे में एक-एक वोट अहम है। हालांकि 25 हजार से ज्यादा अंतर वाली 111 में 108, 50 हजार से ज्यादा अंतर वाली 43 सीटें टीएमसी जीती थी।

मेदवेदेव ने 6-3, 7-6 से हराया, विमेंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना सबालेंका पहुंची, रायबाकिना से होगा मुकाबला

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज हारे

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

कैलिफोर्निया में चल रहे इंडियन वेल्स ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अल्काराज को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अल्काराज ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था। वहीं, विमेंस सिंगल्स में टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला एलिना रायबाकिना से होगा उन्होंने चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव के सामने वर्ल्ड नंबर-2 जैनिक सिनर की चुनौती होगी। सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात दी। ज्वेरेव ATP मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल किया था।

कार्लोस अल्काराज साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था।

- सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात देकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।
- आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में भी एलिना रायबाकिना से भिड़ी थीं।

एलिना रायबाकिना ने स्विटोलिना को मात दी

दूसरे विमेंस सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबाकिना ने यूक्रेन की एलिना स्विटोलिना को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4 से हराया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली, लेकिन रायबाकिना ने अहम मौकों पर ब्रेक पॉइंट हासिल कर सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी उन्होंने अपनी लय बरकरार रखी और जीत हासिल कर सबालेंका के साथ खिताबी भिड़ंत तय की।

जैनिक सिनर से होगा मेदवेदेव का फाइनल मुकाबला

खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव के सामने वर्ल्ड नंबर-2 जैनिक सिनर की चुनौती होगी। सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात दी। ज्वेरेव ATP मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल किया था।

मेन्स सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव और कार्लोस अल्काराज 6-3, 7-6(3) से हराया। रूसी खिलाड़ी ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक लेकर मैच पर नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

मेदवेदेव ने अल्काराज को संभलने का मौका नहीं दिया

दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी की कोशिश की और खेल को टाई-ब्रेकर तक खींच ले गए। हालांकि, टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज की और फाइनल का टिकट पक्का किया। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका का दबदबा देखने को मिला।

केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ी

कहा- समय नहीं दे पाऊंगा, आईपीएल 2026 में कमेंट्री करेंगे पूर्व इंग्लिश कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 से पहले केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (DC) की मेंटरशिप छोड़ दी है। पूर्व इंग्लिश कप्तान पीटरसन ने शनिवार को सोशल प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'इस जिम्मेदारी के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दे पाएंगे।' हालांकि, 45 साल के इस पूर्व बैटर ने दिल्ली की टीम और खिलाड़ियों को नए सीजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह IPL के दौरान कॉमेंट्री बॉक्स में जरूर नजर आएंगे और भारतीय लीग का हिस्सा बने रहेंगे। पीटरसन को IPL 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का मेंटर बनाया गया था। पिछले सीजन में दिल्ली की टीम लीग स्टेज से बाहर हो गई थी। टीम ने 14 में से 7 मैच जीतकर 5वां स्थान हासिल किया था। लेकिन, प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी। पीटरसन बतौर प्लेयर भी दिल्ली की फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। तब टीम का नाम दिल्ली डेयर-डेविल्स था। उन्होंने दिल्ली की ओर से 19 मैचों में 599 रन बनाए हैं। उनकी टीम 2012 के प्लेऑफ में पहुंची थी, लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी। 2014 में दिल्ली लीग स्टेज से बाहर हो गई। पीटरसन IPL में पांच सीजन खेल चुके हैं और तीन अलग-अलग टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह कुल 17 मैचों में कप्तानी भी कर चुके हैं। 2009 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी की थी, जबकि 2014 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कमान संभाली थी।

ईरान महिला फुटबॉल टीम की 3 और सदस्य लौटेंगी

ऑस्ट्रेलिया में रिफ्यूजी बनकर रहने का फैसला बदला

मुबंई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला करने वाली सात ईरानी महिला फुटबॉल टीम की तीन खिलाड़ियों ने अपना निर्णय बदल लिया है और अब वे अपने देश ईरान लौट रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने रविवार को जारी बयान में इसकी पुष्टि की। इन तीन खिलाड़ियों के लौटने के बाद, अब केवल चार खिलाड़ी ही ऑस्ट्रेलिया में रह गई हैं। दरअसल, एशिया कप के दौरान साउथ कोरिया के खिलाफ मैच में ईरानी टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की कड़ी आलोचना की और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी डर के चलते पहले पांच खिलाड़ियों ने और बाद में टीम के दो अन्य सदस्यों ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से शरण मांगी थी। ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें मानवीय आधार पर वीजा देकर देश में रहने की अनुमति दी थी। टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन सात खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी। गृह मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि शनिवार रात ईरानी टीम की तीन सदस्यों ने बाकी टीम के साथ जुड़ने और ईरान वापस जाने का फैसला किया। बर्क के मुताबिक, जब इन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों को अपने फैसले के बारे में बताया, तो उन्हें अपनी पसंद और विकल्पों पर दोबारा विचार करने के लिए कई मौके दिए गए, ताकि वे बिना किसी दबाव के निर्णय ले सकें। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, शनिवार रात तीन सदस्य सिडनी से कुआलालंपुर (मलेशिया) के लिए रवाना हुए। ईरान की टीम ऑस्ट्रेलिया से निकलने के बाद से कुआलालंपुर में ही रुकी हुई है। ईरान की तसनीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि लौटने वाले इन तीन सदस्यों में दो खिलाड़ी और एक सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं।

बैटर्स को लय में नहीं आने देते, फैंस का जवाब- आकिब जावेद क्रिकेट के जॉनी लीवर

बुमराह तेज गेंदबाजी के उस्मान तारिक : जावेद

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद ने भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह की तुलना अपने देश के स्पिनर उस्मान तारिक से की है। आकिब ने शनिवार को लाहौर में कहा- 'बुमराह का गेंदबाजी एक्शन अलग है, जिसकी वजह से बल्लेबाज उनके खिलाफ लय में नहीं आ पाते।' जावेद के इस बयान पर भारतीय फैंस भड़क गए हैं और आकिब जावेद को क्रिकेट का जॉनी लीवर बताया। यूजर्स ने कहा कि दोनों के एक्सपीरियंस और अचीवमेंट में बड़ा अंतर है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए भी खास रही, क्योंकि इसमें पूरी चयन समिति मौजूद थी। जबकि किसी नई टीम का ऐलान नहीं होना था। इस बैठक का मकसद टीम और चयन समिति पर हो रही आलोचना का जवाब देना था। बाद में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने चयन समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उन पर पूरा भरोसा जताया।

66 भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने खिताब जीता था। टीम की जीत में बुमराह की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल में उनके प्रदर्शन निर्णायक रहे दूसरी ओर पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक का टूर्नामेंट ज्यादा प्रभावी नहीं रहा। पाकिस्तान की टीम सुपर-8 चरण में ही बाहर हो गई और सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी। उनका नाम टॉप-5 विकेट टेकर्स में तक नहीं था।

भारत से हार पर कहा- रिकॉर्ड पहले से खराब

भारत के खिलाफ हार के सवाल पर आकिब जावेद ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का रिकॉर्ड पहले से ही कमजोर रहा है और कई पीढ़ियों के खिलाड़ी व कप्तान इसके बावजूद भारत को नहीं हरा सके हैं।

वर्ल्ड कप के बाद कमेटी बदली, अलीम दार का इस्तीफा

टी20 वर्ल्ड कप के बाद चयन समिति में भी बदलाव हुए हैं। अलीम दार ने पैनल से इस्तीफा दे दिया, जबकि अजहर अली पहले ही अलग हो चुके थे। अब चयन समिति की अगली चुनौती पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के बाद बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनना होगी। फिलहाल पाकिस्तान की युवा टीम बांग्लादेश दौरे पर वनडे सीरीज खेल रही है, जो अभी 1-1 से बराबरी पर है।

जावेद ने कहा- बलि का बकरा ढूंढना बंद करें

टी-20 वर्ल्ड कप से पाकिस्तान के बाहर होने पर आकिब जावेद ने कहा- फैंस और मीडिया को बली का बकर ढूंढना बंद कर देना चाहिए। जावेद ने टीम और सिलेक्शन कमेटी का बचाव करते हुए कहा- टीम टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच हारी और नेट रन रेट के कारण बाहर हो गई। इसलिए यह कहना कि पाकिस्तान क्रिकेट पूरी तरह बर्बाद हो गया है, सही नहीं है। आकिब ने कहा कि पाकिस्तान में हर हार के बाद किसी को सजा देने की मांग शुरू हो जाती है। उनके मुताबिक दुनिया के किसी भी अन्य क्रिकेट देश में कोच और चयनकर्ताओं को इतनी जल्दी नहीं बदला जाता।

मनोरंजन

'धुरंधर 2' ने रिलीज से पहले कमाए ₹27.13 करोड़

पेड प्रीव्यू शो में 5.38 लाख टिकट बिके, 'बाहुबली 2' और 'स्त्री 2' को पीछे छोड़ा

मुबंई, एजेंसी

डायरेक्टर आदित्य धर और एक्टर रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' यानी 'धुरंधर 2' ने रिलीज से पहले ही पेड प्रीव्यू में रिकॉर्ड बना दिया। 'धुरंधर 2' ने रिलीज से पहले पेड प्रीव्यू के जरिए करीब 27.13 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने 'दे कॉल हिम ओजी' (23 करोड़) और 'बाहुबली 2' (22 करोड़) को पीछे छोड़ दिया। यह कलेक्शन 'स्त्री 2' के 8.5 करोड़ के मुकाबले लगभग तीन गुना है। आमतौर पर निर्माता प्रदर्शन से पहले दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए कुछ चुनिंदा पेड प्रीव्यू शो रखते हैं। 19 मार्च को धुरंधर 2 रिलीज होगी। इससे पहले 18 मार्च को देशभर में 9550 पेड प्रीव्यू शो रखे गए हैं। इसकी 5.38 लाख टिकटें बिक चुकी हैं। मुंबई में एक टिकट की कीमत 3100 रुपए तक रही, जबकि दिल्ली में 2400 रुपए रही। इस तरह फिल्म रिलीज से पहले ही भारत में 27.13 करोड़ कमा चुकी है। यदि पहले से ब्लॉक की गई टिकटों को जोड़ लें तो कमाई 31.9 करोड़ तक पहुंच जाएगी। दुनियाभर में बुक हुए पेड प्रीव्यू शो की कमाई देखें तो यह 60 करोड़ तक पहुंचती है। अमेरिका में 690 स्थानों पर 1765 शो रखे गए हैं। इनके 67 हजार टिकट बुक हो चुके हैं। पूरे उत्तरी अमेरिका में कमाई 13.1 लाख डॉलर (12.12 करोड़) हो चुकी है।

जाकिर खान अस्पताल में हुए एडमिट

- अरबाज की पोस्ट पर कमेंट करते हुए यूजर्स ने जाकिर खान की सेहत को लेकर चिंता जताई और उनके जल्द ठीक होने की दुआ की।

मुबंई, एजेंसी

कॉमेडियन जाकिर खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह अस्पताल में भर्ती दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो जाकिर खान के छोटे भाई अरबाज खान ने अपने रमजान व्लॉग में शनिवार को शेयर किया था। व्लॉग में वह दर्शकों को अस्पताल का वह कमरा दिखाते हैं, जहां जाकिर भर्ती हैं। वीडियो में जाकिर एक हॉस्पिटल का गाउन पहने हुए दिख रहे हैं, जिस पर लीलावती हॉस्पिटल का नाम छपा हुआ है। वीडियो में जाकिर और उनके भाई को ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप के दौरान इंडिया बनाम इंग्लैंड मैच देखते हुए भी देखा जा सकता है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि जाकिर 5 मार्च के आसपास अस्पताल में एडमिट हुए। हालांकि अस्पताल में भर्ती होने का कारण अभी सामने नहीं आया है और यह भी जानकारी सामने नहीं आई है कि वह अभी भी अस्पताल में एडमिट हैं या नहीं। वीडियो वायरल होने के बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर उनकी सेहत को लेकर सवाल पूछे और जल्द ठीक होने की कामना की। गौरतलब है कि यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब जाकिर ने हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी से ब्रेक लेने की बात कही थी। जनवरी में हैदराबाद में एक शो के दौरान उन्होंने कहा था।

आलिया भट्ट का 33वां जन्मदिन

आलिया भट्ट की 5 फेमस फिल्में

2012 स्टूडेंट ऑफ द ईयर

2014 हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया

2018 राजी

2022 गंगूबाई काठियावाड़ी

2023 रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

पृथ्वीराज चौहान को राष्ट्रपति बताकर मजाक बनीं

आलिया ने नेपोटिज्म और प्रिविलेज को स्वीकार किया

साल 2023 में हार्पर बाजार अरबिया को दिए इंटरव्यू में प्रिविलेज और नेपोटिज्म को लेकर आलिया ने कहा था कि वह इसे मानती हैं और अपने काम को कभी भी हल्के में नहीं लेतीं। वह समझती हैं कि शायद उनके लिए दरवाजे से अंदर आना किसी दूसरे इंसान की तुलना में आसान रहा है।

पिता ने कई आउटसाइडर्स को मौका दिया, बेटी नेपोटिज्म पर घिरी

आलिया के पिता महेश भट्ट और उनके बैनर 'विशेष फिल्म्स' प्रोडक्शन हाउस ने बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकारों को बड़ा ब्रेक दिया, जिनका फिल्म इंडस्ट्री से पहले कोई संबंध नहीं था। इन कलाकारों में अनुपम खेर, कंगना रनोट, आशुतोष राणा और बिपाशा बसु जैसे नाम शामिल हैं। हालांकि, जब महेश भट्ट की बेटी आलिया ने फिल्मों में कदम रखा तो उनके साथ नेपोटिज्म का टैग जुड़ गया। जबकि एक्ट्रेस पूजा भट्ट और राहुल भट्ट उनके सौतेले भाई-बहन हैं। वहीं एक्टर इमरान हाशमी और डायरेक्टर मोहित सूरी उनके कजिन हैं, जबकि प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट उनके चाचा हैं।

मुबंई, एजेंसी

वहीं, नेपोटिज्म और ट्रोलिंग को लेकर आलिया ने मिड-डे के साथ बातचीत में यह भी कहा था कि मैं हर बार शब्दों में अपनी सफाई नहीं दे सकती। अगर आपको मैं पसंद नहीं हूं, तो मुझे मत देखिए। इसमें मैं कुछ नहीं कर सकती। लोगों के पास हमेशा कुछ न कुछ कहने के लिए होता है। उम्मीद है कि अपनी फिल्मों के जरिए मैं साबित कर पाऊंगी कि मैं जिस जगह पर हूं, उसकी हकदार हूं। आलिया ने यह भी कहा था कि उन्हें सही जवाब पता था, लेकिन वह जल्दबाजी में दूसरों (सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन) से आगे निकलने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने कहा था, "मैं पढ़ाई में ज्यादा अच्छी नहीं हूं, इसलिए कभी-कभी प्रणब मुखर्जी और पृथ्वीराज चौहान के नाम गड़बड़ा देती हूं।"

"वहीं, इस मामले को लेकर अगस्त 2014 में आलिया भट्ट ने कॉमेडी ग्रुप एआईबी के साथ मिलकर 'जीनियस ऑफ द ईयर' नाम से एक पैरोडी वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में आलिया ने खुद पर बने मजाक को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश किया। वीडियो में दिखाया गया कि वह एक 'मेंटल जिम' में जाकर अपनी सामान्य जानकारी बढ़ाने की कोशिश करती हैं।"

आलिया ने आलोचनाओं के बावजूद खुद को साबित किया

नेपोटिज्म के आरोपों, नॉलेज को लेकर हुई ट्रोलिंग और सोशल मीडिया पर बने तमाम जोक्स के बावजूद आलिया भट्ट ने अपने 14 साल के करियर में मेहनत और लगातार सफल फिल्मों के जरिए खुद को साबित किया है। आज आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में सबसे ज्यादा फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते

अक्टूबर 2025 में आयोजित 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स समारोह में आलिया भट्ट ने फिल्म 'जिगरा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतकर रिकार्ड बना दिया और कुल 6 फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड्स हो गए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर भी हिट

आलिया भट्ट की कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। 'ब्रह्मास्त्र' (431 करोड़), 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' (355 .61 करोड़), 'गली बॉय' (238 .16 करोड़) और दुल्हनिया' (201 करोड़) जैसी कई फिल्मों, जिनका हिस्सा आलिया भट्ट रही हैं।

जेट फ्यूल की कमी से उड़ानों पर असर की आशंका, कीमतें बढ़ने का भी खतरा

ऑस्ट्रेलिया पर ईंधन संकट का खतरा

बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में तरल ईंधन की कमी और कीमतों में तेज बढ़ोतरी का खतरा मंडराने लगा है। इसकी मुख्य वजह चीन द्वारा अपनी तेल रिफाइनरियों को ईंधन निर्यात रोकने का निर्देश देना और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रभावित होना बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन परिस्थितियों का असर ऑस्ट्रेलिया की ऊर्जा सुरक्षा और विमानन क्षेत्र पर साफ दिखाई दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अपनी रिफाइनरियों को सभी तरह के ईंधन के निर्यात पर रोक लगाने को कहा है। इससे ऑस्ट्रेलिया के लिए भेजे जाने वाले कम से कम दो ईंधन जहाज प्रभावित हो सकते हैं। इसी

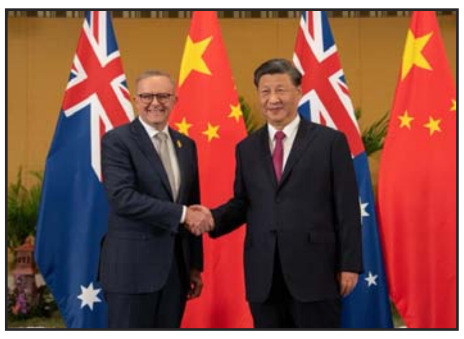

बीच पश्चिम एशिया के महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो परिवहन जहाजों के नष्ट होने की खबरों ने भी तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह मार्ग दुनिया के सबसे अहम तेल परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है बताया जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया अपने ईंधन का बड़ा हिस्सा एशियाई देशों से आयात करता है, जिसमें चीन की हिस्सेदारी काफी अहम है। खासतौर पर जेट फ्यूल के मामले में ऑस्ट्रेलिया बाहरी देशों पर लगभग पूरी तरह निर्भर है। वहीं Air New Zealand ने पहले ही ईंधन की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की अनिश्चितता के कारण करीब 1,100 उड़ानों में कटौती करने का फैसला किया है।

जेट फ्यूल के लिए आयात पर निर्भरता

सिडनी एयरपोर्ट के सीईओ स्कॉट चार्लटन के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया जेट फ्यूल के मामले में पूरी तरह आयात पर निर्भर है। वर्ष 2025 में ऑस्ट्रेलिया ने अपने जेट फ्यूल का लगभग 32 प्रतिशत चीन से आयात किया था। ऐसे में अगर चीन लंबे समय तक निर्यात बंद रखता है, तो ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण कोरिया, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया और भारत जैसे देशों से ईंधन मंगवाना पड़ सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इन देशों की आपूर्ति क्षमता भी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से प्रभावित हो सकती है, जिससे वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है।

देश में सीमित है जेट फ्यूल का भंडार

मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया के पास जेट फ्यूल का भंडार भी सीमित बताया जा रहा है। मार्च 2026 तक देश में लगभग 29 से 32 दिनों का जेट फ्यूल स्टॉक मौजूद है, जो करीब 802 मिलियन लीटर के बराबर है। यह ईंधन या तो देश के भीतर स्थित स्टोरेज टैंकों में रखा गया है या फिर ऑस्ट्रेलियाई समुद्री क्षेत्र में मौजूद जहाजों पर है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के उस नियम का पालन नहीं करता, जिसमें सदस्य देशों को कम से कम 90 दिनों का तेल भंडार रखना जरूरी होता है।

उड़ानों पर पड़ सकता है सीधा असर

ईंधन आपूर्ति में अनिश्चितता का सबसे ज्यादा असर ऑस्ट्रेलिया के विमानन क्षेत्र पर पड़ सकता है। देश के अधिकांश हवाई अड्डे जेट फ्यूल की नियमित आपूर्ति पर निर्भर रहते हैं और उनके पास आमतौर पर केवल कुछ सप्ताह का ही भंडार होता है। इस बीच ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख एयरलाइन Qantas ने संकेत दिए हैं कि अगर ईंधन की कीमतें बढ़ती रहीं तो उड़ानों के किराए में बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है, हालांकि फिलहाल उड़ानों को रद्द नहीं किया गया है।

ईरान जंग के बीच लंदन में घर खोजना मुश्किल

एक हफ्ते का किराया 3-4 लाख रुपए, लेबनान में 2 लाख बच्चे बेघर

- सीरिया के कमिशली में खुले मैदान में गिरी एक मिसाइल पर एक लड़का चढ़ने की कोशिश करता हुआ।
- इजराइली हमले के बाद लेबनान के बेरूत में सड़क पर बैठा बच्चा। लेबनान में अब तक 8 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 16वां दिन है। इस बीच मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण बड़ी संख्या में ब्रिटिश प्रवासी दुबई से वापस लौट रहे हैं। इसके चलते लंदन में किराए के घरों की मांग अचानक बढ़ गई है। डेली मेल के मुताबिक, कई लोग सुरक्षा के कारण जल्दी शिफ्ट होना चाहते हैं और एक हफ्ते के लिए 3 से 4 लाख रुपए तक देने को तैयार हैं। वहीं, हमलों के कारण ईरान में लगभग 20,000 नागरिक इमारतें प्रभावित हुईं, जिसमें 16,000 घर शामिल थे। 77 स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुई, 65 स्कूल तबाह हुए। लेबनान में भी इजराइली हमले जारी है, जिसके कारण करीब 8 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अल जजीरा के मुताबिक इनमें 2 लाख से ज्यादा बच्चे हैं।

फास्ट न्यूज

दो हफ्ते में 56% तक गिरे ये 5 पेनी स्टॉक्स

नई दिल्ली। पिछले दो हफ्तों के दौरान शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। हालिया मार्केट करेक्शन के बीच 15 पेनी स्टॉक्स (Penny Stocks) ऐसे रहे हैं जिनमें 15% से लेकर 55% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। अगर आप भी सस्ते शेयरों में निवेश करना पसंद करते हैं, तो यह जानकारी आपके काम आ सकती है। इन सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों की पहचान एक विशेष स्क्रीनिंग के जरिए की गई है।

ईरान युद्ध के बीच फर्जी एआई वीडियो से प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप

दुबई। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। यूएई में ईरान युद्ध को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और फर्जी वीडियो प्रसारित करने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही इन लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के आदेश दिए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी वाम के अनुसार यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान ऐसे वीडियो सामने आए, जिनमें लोगों को गुमराह करने वाली सामग्री साझा की गई।

आईपीओ के पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों में बदलाव

मुंबई। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (DEA) ने शुक्रवार को देश में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। सरकार ने सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) नियम-1957 में बदलवा करते हुए बड़ी कंपनियों के लिए मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की लिमिट को 5% से घटाकर 2.5% कर दिया है।

दुबई की कंपनी ने भारत में खेला 52600 करोड़ रुपये का दांव

100 एकड़ जमीन पर इस शहर में बनाएगी बड़ा औद्योगिक पार्क

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दुबई (Dubai Company In India) की प्रतिष्ठित टेक कंपनी 'सोलस्टिस डेटा' (Solstice Data) ने भारत में 52,600 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश का एलान किया है। कंपनी ने केरल के कन्नूर जिले के मट्टनूर स्थित केइन्फ्रा (KIN-FRA) औद्योगिक पार्क में अपनी सुविधाओं के विकास के लिए आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस ऐतिहासिक करार के तहत डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए कंपनी को पार्क के अंदर 100 एकड़ जमीन आवंटित की जाएगीशनिवार को तिरुवनंतपुरम

में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस एमओयू का औपचारिक रूप से आदान-प्रदान किया गया। इस महत्वपूर्ण समझौते पर सोलस्टिस डेटा के कंट्री प्रमुख (इंडिया) राज बाबू तुलसीधरन और केइन्फ्रा के प्रबंध निदेशक संतोष कोशी थॉमस ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर राज्य के उद्योग मंत्री पी. राजीव और उद्योग निदेशक पी. विष्णुराज विशेष रूप से मौजूद रहे।

अमेरिकी टेक कंपनियों से पेंटागन की डील, एआई चैटबॉट तय करेंगे पहले किन ठिकानों पर होगा हमला

युद्ध में अब एआई की मदद

न्यूयॉर्क, एजेंसी

युद्ध के मैदान में अब जनरल और सिपाही ही नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन पर एआई 'चैटबॉट्स' भी यह तय करेंगे कि पहले किस दुश्मन पर मिसाइल गिरानी है। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने हाल ही में एक्सएआई और ओपनएआई के साथ गुप्त सैन्य नेटवर्क में एआई इस्तेमाल के लिए डील की है।

पेंटागन अब युद्ध की रणनीति में एआई को एक 'सलाहकार' के रूप में जोड़ रहा है।

यह तकनीक अब केवल डेटा ही नहीं जुटाएगी, बल्कि इंसानों को युद्ध के दौरान यह सलाह भी देगी कि मौजूदा स्थिति और विमानों की लोकेशन के आधार पर सबसे पहले दुश्मन के किन ठिकानों को निशाना बनाया जाए।

हालांकि अंतिम फैसला इंसान ही

लेगा। सैनिक उनसे सीधे पूछ सकेंगे कि किन लक्ष्यों को पहले प्राथमिकता दी जाए। इससे प्रक्रिया तेज होती है, लेकिन चुनौती इन मशीनी सुझावों की सच्चाई परखना है, क्योंकि नया एआई डेटा के बजाय सीधे निष्कर्ष देता है।

चैटबॉट्स के साथ सीधे बातचीत से तय होगी हमलों की प्राथमिकता

अब तक अमेरिकी सेना 'मेवेन' प्रोजेक्ट जैसी तकनीक से ड्रोन फुटेज और तस्वीरों के आधार पर लक्ष्य पहचानती थी। अब इसमें चैटजीपीटी और ग्रोक जैसे स्मार्ट चैटबॉट की नई परत जुड़ रही है। सैन्य अधिकारी के अनुसार सैनिक उनसे सीधे पूछ सकेंगे कि किन लक्ष्यों को पहले प्राथमिकता दी जाए। इससे प्रक्रिया तेज होती है, लेकिन चुनौती इन मशीनी सुझावों की सच्चाई परखना है, क्योंकि नया एआई डेटा के बजाय सीधे निष्कर्ष देता है।

चैटबॉट डेटा स्कैन कर लक्ष्य की प्राथमिकता तय करता है

युद्ध के दौरान ड्रोन, सैटेलाइट, रडार और खुफिया स्रोतों से हर सेकेंड भारी मात्रा में डेटा आता है। इस दौरान एआई चैटबॉट डेटा को तेजी से स्कैन कर पैटर्न पहचानता है। इसके बाद यह खतरे का आकलन कर प्राथमिकता तय करता है कि कौन सा लक्ष्य तुरंत हमला कर सकता है। चैटबॉट यह सुझाव भी देता है कि किसी लक्ष्य पर कौन-सा हथियार सबसे ज्यादा प्रभावी रहेगा, ताकि कार्रवाई सटीक तरीके से हो सके। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत अंतिम मंजूरी मानव सैनिक ही देता है।

आर्मी ऑपरेशंस में एआई का इस्तेमाल बढ़ा

अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान ही ईरान के स्कूल पर हाल ही में हुए हमले में 160 से ज्यादा लड़कियों की मौत हुई थी। हालांकि पेंटागन अभी इसकी जांच कर रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला अमेरिकी मिसाइल से हुआ था। इस स्ट्राइक में पुराने और गलत डेटा का हाथ था। कुछ रिपोर्ट में इस लक्ष्य के फैसलों में 'क्लॉड' और 'मेवेन' तकनीक के इस्तेमाल की बात भी कही जा रही है। यही तकनीक वेनेजुएला ऑपरेशंस में भी की गई थी, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है। चुनौती यह है कि कंपनियां अपने सिस्टम पर कुछ सीमाएं लगाती हैं, लेकिन युद्ध के दौरान वे कितनी कारगर होंगी।

पंजाबी युवक की गोली मारकर हत्या

किडनैपरों के चंगुल से भागी महिला टैक्सी में बैठी, रास्ते में घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग की

मोगा, एजेंसी

कनाडा में पंजाब के मोगा जिले के एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब युवक अपनी टैक्सी चला रहा था। जानकारी के मुताबिक टैक्सी में बैठी एक महिला का कुछ बदमाश पीछा कर रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने टैक्सी पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मोगा जिले के गांव दौलतपुरा नीवां निवासी दविंदर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दविंदर सिंह करीब चार साल पहले बेहतर रोजगार की तलाश में कनाडा गया था और वहां टैक्सी चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। परिजनों के मुताबिक घटना उस समय हुई जब दविंदर सिंह अपनी टैक्सी में एक महिला यात्री को लेकर जा रहा था। इसी दौरान कुछ बदमाश उस महिला का पीछा करते हुए टैक्सी तक पहुंच

गए। आरोपियों ने अचानक टैक्सी पर गोलियां चला दीं। फायरिंग इतनी तेज थी कि दविंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कनाडा पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बदमाशों का निशाना टैक्सी में बैठी महिला हो सकती है, लेकिन फायरिंग की चपेट में आने से दविंदर सिंह की जान चली गई। उधर, दविंदर सिंह की मौत की खबर जैसे ही उसके गांव दौलतपुरा नीवां पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि दविंदर सिंह मेहनती और शांत स्वभाव का युवक था, जो अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए विदेश गया था।

दविंदर की हत्या के बाद महिला को अपने साथ ले गए आरोपी

कुछ ही देर बाद, महिला का पीछा कर रहे हथियारबंद बदमाश मौके पर पहुंच गए। उन्होंने टैक्सी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे दविंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश महिला को अपने साथ लेकर फरार हो गए। परिवार के सदस्यों और गांव के लोगों ने सरकार से मामले की गहन जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और कड़ी सजा देने की मांग की है।

किडनैपर की चंगुल से बचकर निकली महिला बैठी थी टैक्सी में

जानकारी के अनुसार, दविंदर सिंह अपनी टैक्सी में बैठा था। इसी दौरान एक महिला उसकी गाड़ी में आकर बैठ गई। बताया जा रहा है कि इस महिला को कुछ बदमाशों ने पहले किडनैप किया था और वह उनके चंगुल से भागकर टैक्सी में बैठ गई। वह उसको लेकर चला था।

किम जोंग उन ने बेटी के साथ देखा रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण

अमेरिका-दक्षिण कोरिया को दी चेतावनी

सियोल, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ मिलकर रॉकेट लॉन्च सिस्टम का परीक्षण देखा। सरकारी मीडिया ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। यह परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे सैन्य अभ्यास के जवाब में किया गया है। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर हमले की तैयारी मानता है। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने शनिवार को उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर इस अभ्यास का जायजा लिया। इस ड्रिल में 600 मिलीमीटर के अल्ट्रा-प्रिसिजन रॉकेट लॉन्चर शामिल थे। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि उन्होंने उत्तर कोरिया की राजधानी के पास से पूर्वी समुद्र की ओर करीब

10 बैलिस्टिक मिसाइलें गिरती हुई देखीं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इसे उकसाने वाली कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन नियमों का उल्लंघन है, जो उत्तर कोरिया की बैलिस्टिक गतिविधियों पर रोक लगाते हैं। किम जोंग उन ने कहा कि इस अभ्यास से दुश्मनों के मन में डर पैदा होगा। उन्होंने बताया कि 420 किलोमीटर के दायरे में आने वाले दुश्मन अब परमाणु हथियारों की विनाशकारी ताकत को अच्छी तरह समझ पाएंगे। उनका इशारा दक्षिण कोरिया और वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों की तरफ था। किम ने चेतावनी दी कि अगर इन हथियारों का इस्तेमाल हुआ, तो दुश्मन का सैन्य ढांचा कभी बच नहीं पाएगा। सरकारी मीडिया की तस्वीरों में किम अपनी बेटी किम जू ऐ के साथ नजर आए, जिनकी उम्र करीब 13 साल बताई जाती है। वे दोनों बड़े हरे रंग के लॉन्च ट्रकों के पास घूम रहे थे और हथियारों को चलते हुए देख रहे थे। यह लड़की साल 2022 के अंत से ही मिसाइल परीक्षणों और सैन्य परेडों जैसे बड़े कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ दिख रही है। जानकारों का मानना है कि किम जोंग उन उसे अपना उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के ये बड़े रॉकेट लॉन्चर मिसाइलों की तरह ही काम करते हैं।

गिरावट : एसबीआई टॉप लूजर रहा, इसकी वैल्यू ₹89 हजार करोड़ घटी, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप भी घटा

टॉप-10 कंपनियों की वैल्यू ₹4.48 लाख करोड़ घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों की वैल्यू बीते हफ्ते के कारोबार में 4.48 लाख करोड़ रुपए घट गई। इस दौरान SBI की वैल्यू सबसे ज्यादा घटी। SBI का मार्केट कैप 89,306 करोड़ रुपए घटकर 9.66 लाख करोड़ पर आ गया। HDFC बैंक का मार्केट कैप 61,715 करोड़ रुपए घटकर 12.57 लाख करोड़ पर आ गया। वहीं बजाज फाइनेंस की मार्केट वैल्यू 59,082 करोड़ घटकर 5.32 लाख करोड़ पर आ गई। इनके अलावा बीते हफ्ते TCS, ICICI बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज,

LIC, इंफोसिस और HUL का मर्केट कैप भी घटा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच पिछले हफ्ते सेंसेक्स 4,354.98 (5.51%) और निफ्टी 1,299.35 (5.31) अंक गिरा था। वहीं शुक्रवार 13 मार्च को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1470 अंक (1.93%) की गिरावट के साथ 74,564 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.06%) की गिरावट रही, ये 23,151 पर आ गया। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है। मान लीजिए... कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर : बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर : मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है, जिससे निवेशक शेयर बेचने का फैसला ले सकते हैं।

उदाहरण: अगर TCS का मार्केट कैप 12.43 लाख करोड़ से बढ़ता है, तो निवेशकों की संपत्ति बढ़ेगी, और कंपनी को भविष्य में निवेश के लिए ज्यादा पूंजी मिल सकती है। लेकिन अगर मार्केट कैप गिरता है तो इसका नुकसान हो सकता है।

'यूएस को पश्चिम एशिया छोड़ देना चाहिए'

खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति का बड़ा बयान

तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और शांति के लिए अमेरिका को पश्चिम एशिया से बाहर चले जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि अगर इस इलाके को सुरक्षित बनाना है, तो अमेरिका की मौजूदगी यहां नहीं होनी चाहिए। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब काफी बड़ा रूप ले चुका है। अमेरिका, इस्राइल और ईरान एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। इसकी वजह से पूरी दुनिया में तेल और गैस की सप्लाई पर

संकट पैदा हो गया है। शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा बंदरगाह पर ड्रोन से हमला हुआ, जिससे वहां आग लग गई। खाड़ी मामलों के एक जानकार ने बताया कि यूएई की रक्षा प्रणाली ने ड्रोन को बीच में ही रोक दिया था। ड्रोन के मलबे के गिरने से आग लगी, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। जानकारों का कहना है कि यह घटना बताती है कि क्षेत्र में तनाव को रोकना अब बहुत जरूरी है। यूएई को उसकी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि व्यापार, कूटनीति और पैसे के लेनदेन में उसकी बड़ी भूमिका की वजह से बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के बैंकिंग ढांचे पर हमले जारी रखे, तो खाड़ी देशों में चल रही अमेरिकी बैंकों की शाखाओं पर हमले और तेज हो सकते हैं। ईरानी अधिकारी नायनी ने बताया कि पड़ोसी देशों में अमेरिकी बैंकों पर हालिया हमले दरअसल ईरान की संपत्तियों पर हुए हमलों का जवाब थे। इन हमलों की वजह से कुछ समय के लिए बैंकिंग कामकाज में रुकावट भी आई।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96